साध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

सु-विचार

" उम्मीद कभी संसार से नहीं संसार को रचने वाले से रखनी चाहिए ...!!

अज्ञात...

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–207 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 16 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

स्वतंत्रता दिवस समारोह : मुख्यमंत्री साय ने पुलिस परेड ग्राउंड पर किया ध्वजारोहण

17 प्लाटूनों ने परेड में किया आकर्षक मार्च पास्ट, उत्कृष्ट दलों को मिले पुरस्कार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन पूरे हर्षोल्लास और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता के नाम अपने संदेश का वाचन भी किया। समारोह में 17 प्लाटूनों ने भव्य मार्च पास्ट कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह मार्च पास्ट भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी विमल कुमार पाठक के नेतृत्व में हुई। इस बार बिहार प्रदेश की पुलिस टुकड़ी आमंत्रित वर्ग में परेड में शामिल हुई। परेड के टूआईसी निशांत गौरव कुर्रे थे। परेड में सीमा सुरक्षा बल, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, एसएसबी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (पुरुष–महिला), छत्तीसगढ़ पुलिस, जेल पुलिस, नगर सेना (पुरुष–महिला), एनसीसी (बालक–बालिका), बैण्ड प्लाटून, घुड़सवार दल और डॉग स्क्वॉड शामिल रहे। समारोह में महिला बैग पाईपर बैंड दल ने भी आकर्षक प्रस्तुती दी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की परेड में उत्कृष्ट दलों को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सम्मानित किया। केन्द्रीय बलों के वर्ग में भारत तिब्बत सीमा पुलिस की टुकड़ी को पहला स्थान मिला। आईटीबीपी के दल को पांच हजार रूपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। दूसरे स्थान पर सीमा सुरक्षा बल और तीसरे स्थान पर केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल का दल रहा। सीमा सुरक्षा बल की टुकड़ी को तीन हजार रूपए और सीआरपीएफ की टुकड़ी को दो हजार रूपए नकद राशि के साथ ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राज्य बलों के वर्ग में पहला स्थान छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (महिला) को प्राप्त हुआ। विजेताओं को पांच हजार रूपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ जेल पुलिस का दल दूसरे स्थान पर रहा, जिसे तीन हजार रूपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ सशस्त्र पुलिस बल (पुरूष) ने तीसरा स्थान प्राप्त किया, जिन्हें दो हजार रूपए की नकद राशि और ट्रॉफी से नवाजा गया।

कंटीजेंट एनसीसी वर्ग में पहला स्थान एनसीसी गर्ल्स और दूसरा स्थान एनसीसी बॉयज के दल को मिला। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दोनों दल कमांडरों को ट्रॉफी प्रदान कर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर परेड–टू–आईसी निशांत गौरव कुर्रे, परेड कमांडर विमल कुमार पाठक, महिला बैग पाईपर दल की कमांडर श्रीमती सोनबती ठाकुर, घुड़सवार दल के कमांडर अनिल यादव, श्वान दल के कमांडर राज कपूर सहित परेड प्रस्तुतियोजन के लिए डॉ. अनुराधा दुबे और मनीष परमानंद को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

घुड़सवारों के साहस, महिला बैग पाईपर बैंड की लय और श्वान दल का रोमांचक प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य कार्यक्रम में घुड़सवार दलों ने अपने अदम्य साहस और ऊर्जा का जीवंत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में महिला बैग बाईपर बैंड की लयबद्ध प्रस्तुति ने उपस्थित जनों की सराहना पाई। इसके साथ ही आज के कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पुलिस के श्वान दल के रोमांचक प्रदर्शन में दर्शकों को बेहद उपयोगी जानकारी भी दी। स्वतंत्रता दिवस समारोह में घुड़सवार दल का हॉर्स शो भी आकर्षण का केंद्र रहा। तीसरी वाहिनी अमलेश्वर के घुड़सवार दल ने फ्लैग मार्च, टेंट पैगिंग, नेजाबंदी शो, जंपिंग और गैलप राउंड जैसी रोमांचक प्रस्तुतियां दी। आरक्षक धनेश्वर कंवर ने अश्व आदित्री पर फ्लैग मार्च किया। अजय कुमार यादव ने अश्व आभा पर स्टैडिंग सैल्यूट किया गया। टैंट पैंगिंग में अश्व रूद्र, अश्वस्थामा, प्रिंसेस सारा और शक्ति में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अश्व युवराज, अवनि, कावेरी, जूही और ओजस ने शो जंपिंग में जलवा दिखाया। उपस्थित जनसमुदाय ने अश्वदल का तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत अभिनंदन किया। आरक्षक सोनबती ठाकुर के नेतृत्व में प्रदेश के पहले महिला बैगपाइपर बैंड ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में आर्कषक प्रस्तुति दी। 20वीं भारत रक्षित वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के 35 सदस्यों के इस बैगपाइपर बैंड द्वारा क्विक मार्च में इंडिया गेट, केसरिया बाना, हार्श मेन, शांति सेना और पुलकित हिमालय जैसी धुनें बजाई गई। बैंड ने स्लो मार्च में नवरंगी और तर्शपे रील, ड्रम कॉल भी सुनाया। बैंड के सदस्यों ने अपने हाथों में सेरेमोनियम मेस बैंड, बेस, टेनर, साइड ड्रम और बैगपाइपर जैसे वाद्ययंत्रों पर मोहक धुनें बजाकर उपस्थित जनसमुदाय का मन मोह लिया। इस बैगपाइपर महिला बैंड ने 2022 में हरियाणा के पंचकुला में आईटीबीपी के बीटीसी मानु में 6 महीनों तक कड़ा प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस बैगपाइपर बैंड ने 25 वीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता दीमापुर नागालैंड में 2024 में तीसरा स्थान प्राप्त किया था। यह प्रतियोगिता असम रायफल्स के दीमापुर प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित हुई थी। 26वीं अखिल भारतीय पुलिस पाईप बैंड हैदराबाद में आयोजित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दल को गोल्ड मेडल भी मिला था। इस प्रतियोगिता में सोनबती ठाकुर ने बेस्ट कंडक्टर और पूरे प्लाटून में ऑल राउंडर द बेस्ट का खिताब भी जीता था। स्वतंत्र दिवस समारोह के मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मौजूदगी में छत्तीसगढ़ पुलिस के डॉग स्क्वाड ने भी अपनी दक्षता, अनुशासन, सुंघने की शक्ति का रोमांचक प्रदर्शन किया। स्क्वाड प्रभारी श्री राज कपूर के नेतृत्व में 7 विधाओं में डॉग स्क्वाड के श्वानों द्वारा अपने हैंडलर्स के निदेर्शों का पालन प्रदर्शन करने पर उपस्थित जनसमुदाय भी रोमांच से भर गया। पुलिस डॉग मैक्स ने सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। प्रशिक्षित श्वानों ने कमल फूल की आकृति में खुद को व्यवस्थित कर खूब तालियां बटोरी। श्वानों द्वारा गोल रिंग में सिट, डाउन, रेस्ट स्लीप, रोल और अप जैसे निर्देश पूरी दक्षता से पूरे किये। वहीं गोल रिंग में जल रही आग के बीच से श्वान दुलार, मेरी और शिवा ने छलांग लगाकर लोगों को रोमांचित कर दिया। पुलिस परेड ग्राउंड पर इन प्रशिक्षित श्वानों ने जमीन में दबे विस्फोटक पदार्थों और नारकोटिक सामग्रियों को भी बड़ी तीव्रता से ढूंढ निकाला। श्वानों ने कई गंधों के मिश्रण से एक निर्धारित गंध की पहचान करने रूमाल सूंघ कर संबंधित व्यक्ति को पहचानने का भी शानदार प्रदर्शन किया।

राज्यपाल डेका ने लोकभवन में किया ध्वजारोहण

राज्यपाल रमेन डेका ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोकभवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया एवं परेड की सलामी ली। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी भी उपस्थित थी। राज्यपाल ने लोकभवन सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने लोकभवन के कर्मचारियों के परिजनों एवं बच्चों से आत्मीयता से मुलाकात की और बच्चों को टॉफी–मिठाई वितरित की। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना, विधिक सलाहकार श्रीमती सत्यभामा अजय दुबे, उप सचिव सुश्री निधि साहू सहित लोकभवन के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। राज्यपाल ने मोबाइल एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया राज्यपाल रमेन डेका ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोकभवन से 6 मोबाइल एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये एम्बुलेस भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी को महारत्न कंपनी आरईसी के सीएसआर के अंतर्गत दी गई है। ये एम्बुलेंस उत्तर छत्तीसगढ़ के जशपुर, सूरजपुर, बलरामपुर जिले में नि:शुल्क सेवा देंगी।

राज्यपाल ने नेत्रहीन छात्राओं को स्मार्ट स्टिक प्रदान किया

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने लोकभवन में नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड, रायपुर द्वारा संचालित प्रेरणा गुरुकुलम विद्या पीठम की नेत्रहीन छात्राओं को स्मार्ट स्टिक प्रदान किया। यह स्मार्ट स्टिक छात्राओं को सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर तरीके से आवागमन में सहायता करेगी। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी तथा राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना उपस्थित थे। राज्यपाल ने छात्राओं को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिव्यांगजनों को समान अवसर और आत्मनिर्भरता प्रदान करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से नेत्रहीन विद्यार्थियों के जीवन को अधिक सुगम और सुरक्षित बनाया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

NALSAR विवाद : बीसीआई को सुप्रीम कोर्ट की फटकार 2026 बैच के एनरोलमेंट पर रोक का आदेश वापस

सीजेआई ने कहा – "असहमति का अधिकार छात्रों के पास, बीसीआई कौन होता है हस्तक्षेप करने वाला"

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

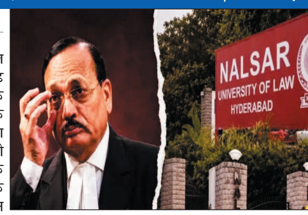

हैदराबाद की प्रतिष्ठित नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च NALSAR के 2026 बैच के छात्रों के वकालत पंजीकरण पर रोक लगाने के बार काउंसिल ऑफ इंडिया BCI के फैसले को सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार और व्यापक विरोध के बाद वापस ले लिया गया है। BCI के चेयरमैन और राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने देर रात 12:37 बजे सोशल मीडिया पर कार्रवाई पूरी तरह बंद करने का ऐलान किया।

क्या था पूरा मामला

विवाद NALSAR के दीक्षांत समारोह में CJI सूर्यकांत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने से शुरू हुआ। 9 अगस्त को कुछ छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को पत्र लिखकर CJI की बेरोजगार युवाओं को लेकर की गई पूर्व टिप्पणी का हवाला देते हुए आमंत्रण पर पुनर्विचार की मांग की थी। छात्रों के इस विरोध से नाराज BCI ने 13 अगस्त की शाम सभी राज्य बार काउंसिल्स को निर्देश दिया कि 2026 में NALSAR से पास होने वाले किसी छात्र को एडवोकेट के रूप में पंजीकृत न किया जाए। BCI ने कुलपति से 3 दिन में विरोध करने वाले छात्रों की पहचान कर रिपोर्ट मांगी।

इस आदेश के बाद कॉकरोच जनता पार्टी CJP समेत कई युवा संगठन, वकील और विपक्षी नेताओं ने BCI दफ्तर और मनन मिश्रा के आवास पर प्रदर्शन की चेतावनी दी।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

14 अगस्त को वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने मामला CJI सूर्यकांत, जस्टिस जयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच के सामने रखा।

सीजेआई सूर्यकांत ने नाराजगी जताते हुए कहा: "यह पूरी तरह से अनुचित था। यह छात्रों और मेरे बीच का मामला है, BCI इसमें हस्तक्षेप करने वाला कौन होता है? छात्र जीवन में मैं खुद छात्र राजनीति में सक्रिय था। असहमति और प्रदर्शन का अधिकार छात्रों के पास है। BCI का इस विवाद से कोई कानूनी लेना–देना नहीं है।" बढ़ते दबाव के बाद BCI बैकफुट पर आ गई और आदेश वापस लिया।

क्या कहता है कानून

एडवोकेट्स एक्ट 1961 की धारा 6 और 24 के तहत वकील के रूप में पंजीकरण का अधिकार राज्य बार काउंसिल के पास है, BCI के पास सीधे नहीं। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार BCI का निर्देश अधिकार क्षेत्र से बाहर Ultra Vires था।

देश की अन्य प्रमुख सुर्खियां

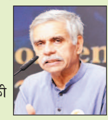

संदीप दीक्षित का विवादास्पद बयान

कांग्रेस के एक कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी पर अमर्यादित टिप्पणी की। कार्यक्रम में राहुल गांधी भी मौजूद थे। बीजेपी नेताओं राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा और RJD सांसद मनोज झा ने बयान की निंदा की।

चमोली सुरंग हादसे में 7 मजदूरों की मौत

उत्तराखंड के चमोली में विष्णुगाड पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना की सुरंग में भूस्खलन के बाद पानी और मलबा भरने से 7 मजदूरों की मौत हो गई। 19 को बचा लिया गया है, 3 की तलाश जारी। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने मजिस्ट्रेट जांच और 44 लाख रुपये मुआवजे का ऐलान किया।

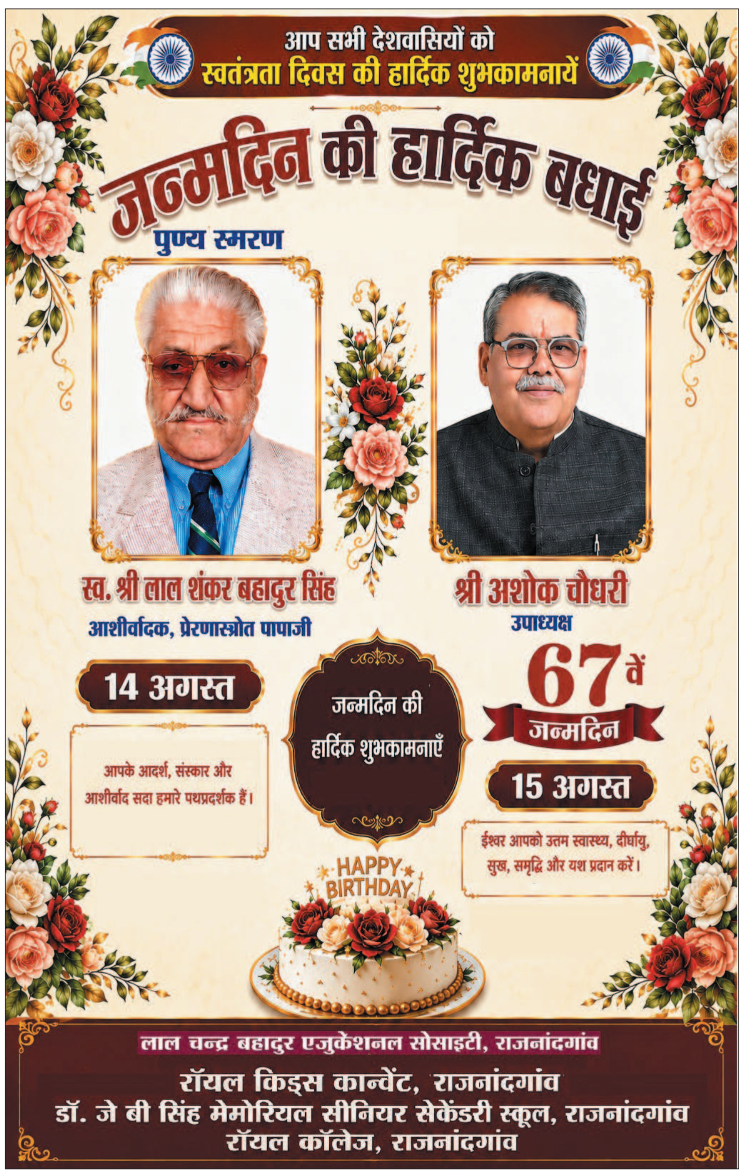

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने फहराया तिरंगा, परेड की ली सलामी

दुर्ग जिले में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में शुक्रवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस पूरी गरिमा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य समारोह प्रथम बटालियन ग्राउंड भिलाई में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव थे। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने सुबह प्रथम बटालियन ग्राउंड पहुंचकर राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया।

इसके बाद परेड की सलामी ली और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया। कलेक्टर अभिजीत सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल उनके साथ परेड निरीक्षण में शामिल रहे। परेड के दौरान हर्ष फायर किया गया और रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गए। समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीद जवानों के परिजनों को शॉल-श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। जिले के विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र दिए गए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और पुरस्कार

स्कूली बच्चों ने देशभक्ति गीतों और पारंपरिक नृत्यों से समां बांधा। विज्ञान विकास केन्द्र दुर्ग को प्रथम, डीपीएस रिसाली को द्वितीय और सेजेस खम्हरिया को तृतीय पुरस्कार मिला। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मरोदा को सांत्वना पुरस्कार और श्री शंकरा विद्यालय भिलाई को मास पी.टी. प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। मार्चपास्ट में एनसी सीनियर बालक प्रथम, एनसीसी सीनियर बालिका द्वितीय और रेडक्रॉस तृतीय स्थान पर रहे। परेड प्रदर्शन में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल पुरुष प्रथम, सीमा सुरक्षा बल द्वितीय और छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल महिला तृतीय स्थान पर रही। परेड में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल पुरुष-महिला, नगर सेना, एनसीसी सीनियर-जूनियर और रेडक्रॉस की टुकड़ियों ने हिस्सा लिया। पाइप बैंड और बैंड की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही।

कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर, संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, महापौर अलका बाघमार, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, विरेन्द्र सिंह, हरवंश सिंह मिरी, एसडीएम उत्तम ध्रुव, लवकेश ध्रुव, नगर निगम आयुक्त मोहेन्द्र साहू, मोनिका वर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, शिक्षक, छात्र और नागरिक मौजूद थे।

विधायक ललित चंद्राकर ने रिसाली में किया ध्वजारोहण, देशवासियों को दी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रिसाली के मरोदा सेक्टर, मैत्री नगर स्थित श्री परशुराम चौक, छोटा रावण मैदान में 80वें स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष *श्री ललित चंद्राकर जी* मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उन्होंने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी । अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

इस अवसर पर विधायक श्री चंद्राकर ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं अनंत बधाई दी। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान है। मां भारती की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को हम कभी भूल नहीं सकते।

विधायक जी ने कहा कि आजादी के इस पर्व पर हमें संकल्प लेना है कि हम एकजुट होकर छत्तीसगढ़ और देश को विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने में अपना योगदान देंगे। देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखना हम सभी का परम कर्तव्य है। आगे श्री चंद्राकर ने कहा, ह्वआजादी के 80वें वर्ष में हम जिस खुले आकाश में सांस ले रहे हैं, वो हमारे वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान का परिणाम है। तिरंगा सिर्फ कपड़े का टुकड़ा नहीं, हमारी आन, बान और शान है। लाखों लोगों ने अपने प्राण देकर इस तिरंगे की रक्षा की है। आज हमें गर्व है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। लेकिन आजादी का सही अर्थ तभी सार्थक होगा जब हमारा गांव-गांव, गली-गली विकसित होगा। जब हर हाथ को काम मिलेगा, हर बच्चे को शिक्षा मिलेगी और हर माँ-बहन सुरक्षित महसूस करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत की ओर तेज गति से बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार भी इसी संकल्प के साथ काम कर रही है।

हमें भी संकल्प लेना होगा कि हम भ्रष्टाचार, नशे और आपसी भेदभाव को मिटाकर एकजुट होकर अपने क्षेत्र को आदर्श बनाएंगे। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को देशभक्तिमय कर दिया। रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, मरोदा-पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, महामंत्री दशरथ साहू, नरेन्द्र निर्मलकर, गुड्डू झा, पुनाराम कलिहारी, जिला मंत्री शैलेन्द्र शेंडे, सांसद प्रतिनिधि दीपक पप्पू चंद्राकर, समाजसेवी सोनू राम सिंह, संरक्षक सलाखन सिंह, अमृत देवांगन, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला दास जी, पार्षद श्रीमती विधि यादव जी, मनीष यादव, धर्मेन्द्र भगत, श्रीमती सुनंदा चंद्राकर, श्रीमती रमा साहू, श्रीमती सरिता देवांगन, श्रीमती शीला नारखड़, श्रीमती ईश्वरी साहू, श्रीमती गजेन्द्री कोठारी, श्रीमती ममता सिन्हा, पूरेन्द्र साहू, अजीत चौधरी जी, श्रीमती सविता महिलांग, श्रीमती पार्वती कुर, परमेश्वर महिलांग, शैलेश शर्मा, निरंजन जैन, भूपेंद्र देशमुख, सुनील साहू, विक्की सिंह, नीलकमल बंजारे, अनिल गेन्द्रे, सुजीत यादव, प्रेमचंद साहू, जतिन वर्मा, रुपेश यादव, विशाल ठाकुर, शंकर यादव, रमेश वर्मा, उपेंद्र रिगरी, सेहिव चंद्राकर, प्रेमलाल निर्मलकर, प्रमोद साहू, विकास कुलश्रेष्ठ, राणा मुखजी, संतोष चौधरी, सचिन गोस्वामी, नोहर वर्मा, आयुष तिवारी, अमित वोरा, श्रीमती पूनम सपहा, हार्दिक राज चंद्राकर, श्रीमती खिलेश्वरी ढालेन्द्र, श्रीमती बानो साहू, श्रीमती राधिका अग्रहरी, श्रीमती उषा साहू, श्रीमती संध्या मंडलोई, श्रीमती लक्ष्मी नायक सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता, सामाजिक संगठन के पदाधिकारी, स्कूली बच्चे एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

"स्वतंत्रता अधिकार नहीं, राष्ट्र के प्रति कर्तव्य है" : देवेश मिश्रा

दुर्ग / रायपुर। भगवा पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में ध्वजारोहण कर प्रदेशवासियों को स्वाधीनता पर्व की शुभकामनाएं दीं। श्री मिश्रा ने शुक्रवार सुबह निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दुर्ग स्थित शिक्षा संस्कार विद्यालय प्रगति नगर रिसाली भिलाई, अमलेश्वर और रायपुर के सुंदरनगर स्थित प्रदेश कार्यालय में तिरंगा फहराया।

"राष्ट्र के प्रति जवाबदेही जरूरी" : शिक्षा संस्कार विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देवेश मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में स्वतंत्रता का अर्थ केवल अधिकार नहीं अपितु राष्ट्र के प्रति हमारी जवाबदेही, हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा "आज हम देख रहे हैं कि जो भी पार्टी सत्ता में आती है वह सत्तासीन होने के बाद जनता से किए वादों को भूल जाती है और संविधान के विपरीत कार्य करने लगती है। ऐसे लोगों से सावधान रहकर हमें अपनी सनातन संस्कार परंपरा व उद्यमों को विकसित करने वाली भगवा पार्टी के साथ एकजुट रहकर कार्य करना है। देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता बनाए रखने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।"

विद्यालय में देशभक्ति का माहौल : पोटिया स्थित शिक्षा संस्कार विद्यालय में सुबह 8 बजे ध्वजारोहण किया गया। सर्वप्रथम भारत माता एवं महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। तिरंगा ध्वज की पूजा के साथ ही पूरा वातावरण "वंदेमातरम", "तिरंगा झंडा की जय" और "भारत माता की जय" के नारों से गूंज उठा।

इस दौरान श्री मिश्रा ने पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष हीरेन्द्र साहू, अतुल नंद शुक्ला, प्रदेश महासचिव ज्ञानेश्वर प्रसाद ताम्रकार, प्रदेश कोषाध्यक्ष परमेश्वर ठाकुर, प्रदेश सचिव मनोज गुप्ता, भोजराज यादव एवं स्कूल संचालक मंडल प्रमुख विजय कटरे के साथ ध्वजारोहण किया। बच्चों के साथ राष्ट्रीय गान "जन-गण-मन" और राष्ट्रीय गीत "वंदेमातरम" का गायन किया गया। छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मुख्य अतिथि देवेश मिश्रा ने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चों को उपहार भी भेंट किए।

दुर्ग में देशभक्ति का जज्बा: अरुण वोरा ने 80वें स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न स्थानों पर किया ध्वजारोहण

80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दुर्ग शहर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक अरुण वोरा ने अपनी वर्षों पुरानी परंपरा निभाते हुए शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर आयोजित समारोहों में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर ध्वजारोहण किया और नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रगान की गूंज और भारत माता के जयकारों के बीच उन्होंने वीर शहीदों को नमन करते हुए तिरंगा फहराया।

इन प्रमुख स्थानों पर हुआ ध्वजारोहण

- गांधी प्रतिमा एवं गांधी चौक, इंदिरा मार्केट
- राजीव भवन, दुर्ग
- काली मंदिर परिसर, इंदिरा मार्केट
- वाणी रियल टैलेंट अकादमी, पंचशील नगर
- दुर्ग रोडवेज एवं साई द्वार, सिविल लाइंस
- शक्ति नगर एवं कुआं चौक, वार्ड-16
- बमलेश्वरी कॉलोनी, बोरसी

ध्वजारोहण के बाद जनसमूह को संबोधित करते हुए अरुण वोरा ने कहा कि "15 अगस्त उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान का स्मरण करने का दिन है, जिनके कारण हम आजाद भारत में सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीवन जी रहे हैं। आजादी का वास्तविक अर्थ संविधान के हर शब्द की रक्षा करना, लोकतंत्र को मजबूत बनाना और समाज के हर व्यक्ति को बराबरी का हक दिलाना है।" अरुण वोरा ने दुर्गवासियों को बधाई देते हुए कहा कि दुर्ग हमेशा से सामाजिक सद्भाव, आपसी भाईचारे और जनभागीदारी की मिसाल रहा है। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। दुर्ग की पहचान यहां के जागरूक, मेहनती और एकजुट नागरिकों से है। उन्होंने कहा "आइए हम सब मिलकर अपने दुर्ग को और सशक्त बनाएं। यही सच्चे अर्थों में आजादी का उत्सव होगा।"

महापौर नीरज पाल ने किया ध्वजारोहण, उत्कृष्ट कर्मचारियों को किया सम्मानित

भिलाई। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय सुपेला में गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। महापौर नीरज पाल ने प्रात: 8:00 बजे ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। इस अवसर पर निगम आयुक्त सुरुचि सिंह, सभापति गिरवर बंटी साहू, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, महापौर परिषद सदस्य आदित्य सिंह, चंद्रशेखर गवई, पार्षद सुरेश कुमार वर्मा, चंदेश्वरी बांधे सहित निगम के जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात महापौर ने यूनियन कार्यालय, नेहरू नगर चौक, श्रीराम वाटिका खुसीपार एवं शहीद उद्यान सेक्टर-05 में भी ध्वजारोहण किया। इन अवसरों पर उपस्थित नागरिकों और निगम कर्मचारियों ने राष्ट्रगान के साथ देश की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

जोन कार्यालयों में भी हुआ ध्वजारोहण : इसी क्रम में निगम के विभिन्न जोन कार्यालयों में प्रात: 7:30 बजे जोन समिति के अध्यक्षों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों को नमन करते हुए देश की प्रगति, स्वच्छता एवं भिलाई के विकास में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। समारोह के दौरान उत्कृष्ट कार्य एवं सराहनीय सेवाओं के लिए निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। महापौर एवं निगम आयुक्त ने सम्मानित कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनके कार्यों की सराहना की और भविष्य में भी इसी उत्साह, समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ जनसेवा करने के लिए प्रेरित किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर निगम परिसर एवं विभिन्न स्थानों पर देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला। समारोह ने नागरिकों में राष्ट्रप्रेम, एकता, स्वच्छता और जिम्मेदार नागरिकता की भावना को और मजबूत किया।

जनसंपर्क कार्यालय में किया ध्वजारोहण

दुर्ग। स्वतंत्रता दिवस पर जिला जनसंपर्क कार्यालय में ध्वजारोहण किया गया। संयुक्त संचालक (जनसंपर्क) एम.एस. सोरी ने कार्यालय में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर कार्यालय के कर्मचारियों ने राष्ट्रगीत व राष्ट्रगान कर तिरंगा झण्डे को सलामी दी। इस दौरान कार्यालय के सहायक सूचना अधिकारी सुश्री भारती साहू, सहायक ग्रेड-2 श्रीमती कनक कोमरा एवं दिनेश साहू, श्रीमती हिमेश ठाकुर, कम्प्यूटर ऑपरेटर अंजली फूले, मंजू कोमरा उपस्थित थे।

डॉ. सलीम राज ने वक्फ बोर्ड कार्यालय में किया ध्वजारोहण

रायपुर। 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर डॉ. सलीम राज, माननीय अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड, कैबिनेट मंत्री दर्जा, ने कार्यालय छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड में ध्वजारोहण किया। गृह मंत्रालय भारत सरकार और छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निदेशों के अनुसार कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के गायन से हुई। इसके पश्चात ध्वजारोहण किया गया और राष्ट्रगान 'जन गण मन' का गायन किया गया। इस अवसर पर डॉ. सलीम राज ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड की मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिम्मी नाहिद, लेखा अधिकारी पवन कुमार व बोर्ड कार्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे। डॉ. सलीम राज ने रायपुर स्थित विभिन्न वक्फ संस्थानों में भी ध्वजारोहण किया। इनमें बड़ी ईदगाह-दरगाह हजरत सैयद पहलवान शाह बाबा र.अ., मस्जिदे मोहम्मदी, मोहम्मदी पब्लिक स्कूल लाखे नगर ईदगाहभाठा, हजरत फातेहशाह मजार व मस्जिद पुलिस लाइन टिकरापारा, दरगाह हजरत सैयद शेर अली आगा बंजारी वाले बाबा और अंजुमन उर्दू गर्ल्स स्कूल शास्त्री बाजार शामिल हैं। इस अवसर पर संबंधित वक्फ संस्थानों के मुतवल्ली, कमेटी के पदाधिकारी, समाज प्रमुख, आमजन और स्कूली बच्चे उपस्थित थे। डॉ. सलीम राज ने राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर आपसी एकता, अमन और भाईचारे के साथ देश को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री साय ने उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किए पुलिस व नगर सेना के अधिकारी-कर्मचारी

पदक व राज्य स्तरीय पुरस्कारों से हुए अलंकृत, धमतरी के एएसआई रामावतार सिंह राजपूत को राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी-रायपुर

स्वतंत्रता दिवस के 80वें पावन अवसर पर आज राजधानी रायपुर स्थित पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित गरिमामय राज्य स्तरीय मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के करकमलों से छत्तीसगढ़ पुलिस एवं नगर सेना के अधिकारियों तथा जवानों को उनकी कर्तव्यनिष्ठा, असाधारण कार्यकुशलता और विशिष्ट सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित पदकों तथा राज्य स्तरीय पुरस्कारों से अलंकृत किया गया।

समारोह में रक्षित केन्द्र धमतरी के सहायक उप निरीक्षक रामावतार सिंह राजपूत को उनकी 36 वर्षों से अधिक की निष्ठावान सेवा और आधारभूत प्रशिक्षण में उत्कृष्ट योगदान हेतु देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति के विशिष्ट सेवा पदक-2026 से सम्मानित किया गया। सराहनीय सेवाओं, अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था एवं आधुनिक नवाचारों के लिए भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों सहित कुल 10 पुलिसकर्मियों को सराहनीय सेवा हेतु भारतीय पुलिस पदक-2026 प्रदान किया गया। इस पदक से अलंकृत होने वालों में पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज रामगोपाल (भा.पु.से.), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायगढ़ शशिमोहन सिंह (भा.पु.से.), पुलिस अधीक्षक एटीएस नवा रायपुर श्रीमती राजश्री मिश्रा (भा.पु.से.), पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा (भा.पु.से.), सेनानी 7वीं वाहिनी छ.स.बल भिलाई श्रीमती निवेदिता पॉल, सेनानी 20वीं वाहिनी छ.स.बल महासमुंद श्रीमती मनीषा ठाकुर रावटे, पुलिस उपायुक्त रायपुर तारकेश्वर पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विशेष आसूचना शाखा नवा रायपुर सुश्री उनैजा खातून अंसारी, सहायक सेनानी प्रथम वाहिनी छ.स.बल भिलाई जयलाल मरकाम तथा प्लाटून कमाण्डर 20वीं वाहिनी छ.स.बल महासमुंद हजारी लाल साहू शामिल हैं।

आपदा प्रबंधन, राहत कार्यों और जनसेवा में अद्वितीय भूमिका निभाने के लिए नगर सेना राजनांदगांव के नायक उत्तम कुमार साहू को शिवनाथ नदी में बाढ़ बचाव कार्य तथा नगर सेना रायपुर के लांस नायक जोगेश्वर कुमार धीवर को उत्कृष्ट गोताखोरी व प्रशिक्षण कार्यों के लिए गृह रक्षक तथा नागरिक सुरक्षा सराहनीय सेवा पदक-2026 प्रदान किया गया।

कमजोर वर्गों, अनुसूचित जाति-जनजाति तथा महिला एवं बाल सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों को वर्ष 2025 के राज्य स्तरीय एवं पुलिस महानिदेशक पुरस्कारों से नवाजा गया। इसके तहत जांजगीर-चांपा के सहायक उप निरीक्षक रामेश्वर प्रसाद यादव को गुरु घासीदास पुरस्कार (50 हजार रुपये नकद व बिलासपुर रेंज को रनिंग शील्ड) प्रदान किया गया। कमजोर वर्गों एवं महिला-बाल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर की निरीक्षक श्रीमती अर्चना धुरंधर को राज्यपाल पुरस्कार एवं रानी सुबरन कुंवर पुरस्कार (प्रत्येक में 50 हजार रुपये नकद व रायपुर रेंज को रनिंग शील्ड) से अलंकृत किया गया। गरियाबंद की अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सुश्री निशा सिन्हा को पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने हेतु मुख्यमंत्री पुरस्कार (50 हजार रुपये नकद व रायपुर रेंज को रनिंग शील्ड), अजाक थाना बिलासपुर के निरीक्षक उत्तम साहू को उत्कृष्ट थाना संचालन हेतु शहीद वीरनारायण सिंह पुरस्कार (50 हजार रुपये नकद व बिलासपुर रेंज को रनिंग शील्ड) तथा उप पुलिस अधीक्षक (अजाक) बिलासपुर डीआर टंडन को पुलिस महानिदेशक पुरस्कार (25 हजार रुपये नकद एवं प्रशंसा पत्र) से सम्मानित किया गया।

समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद (भा.पु.से.) के संपूर्ण प्रभार तथा नगर पुलिस अधीक्षक दर्री (कोरबा) विमल कुमार पाठक (भा.पु.से.) के नेतृत्व में भव्य परेड का आयोजन किया गया। परेड में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल, जेल पुलिस, नगर सेना, एन.सी.सी. तथा विशेष शाखाओं की टुकड़ियों ने अनुशासित एवं आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया।

खास खबर

सांसद संतोष पांडेय ने किया ध्वजारोहण, 137 कर्मी सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़-रायपुर

जिला मुख्यालय के फतेह सिंह खेल मैदान में 80 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरी गरिमा और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि राजनांदगांव लोकसभा सांसद संतोष पांडेय ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और भव्य परेड की सलामी ली। इस दौरान राष्ट्रगान के साथ आकाश में रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़कर स्वतंत्रता की खुशी का इजहार किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन करते हुए सभी से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सुरक्षा बलों और विद्यार्थियों की कुल 10 प्लाटूनों ने अनुशासित मार्चपास्ट प्रस्तुत किया, जिसका नेतृत्व रक्षित निरीक्षक के. देवराजू ने किया। सीनियर वर्ग की परेड में जिला पुलिस बल (पुरुष) ने प्रथम, आईटीबीपी 40वीं वाहिनी ने द्वितीय और छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

शहीद परिजनों और मीसाबंदियों का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान नक्सली मुठभेड़ में शहीद हुए जवान निकेश यादव के पिता पुरुषोत्तम यादव को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों और मीसाबंदी सुभाष सिंह ठाकुर सहित अन्य मीसाबंदी परिवारों का भी विशेष अभिनंदन किया गया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 137 अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित: जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस और अन्य प्रशासनिक विभागों में उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवाएं देने वाले 137 अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे प्रशासनिक अमले में उत्साह का माहौल देखा गया। कार्यक्रम में कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, पुलिस अधीक्षक लक्ष्य विनोद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका खम्मन ताम्रकार, उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में मुख्य अतिथि द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्लाटूनों और दस्तों को पुरस्कृत किया गया।

मुख्यमंत्री साय ने राज्यपाल डेका से की सौजन्य भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल रमेन डेका से सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्यपाल को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल श्री डेका ने भी मुख्यमंत्री को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश की सुख-समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने असम में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से 5 करोड़ रुपये की सहायता राशि का चेक राज्यपाल रमेन डेका को सौंपा। यह सहायता राशि असम के बाढ़ प्रभावित परिवारों के राहत एवं पुनर्वास कार्यों में सहयोग के लिए प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल रमेन डेका 16 अगस्त को असम के दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने असम में बाढ़ से हुई जन-धन की क्षति पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में छत्तीसगढ़ की जनता असम के भाई-बहनों के साथ मजबूती से खड़ी है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और विधायक पुरंदर मिश्रा उपस्थित थे।

जवानों के शौर्य ने लिखा बस्तर का नया इतिहास : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

अमर वाटिका में शहीदों को दी श्रद्धांजलि, वीरता पदक से अलंकृत जवानों का किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने बस्तर के वीर जवानों के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को नमन किया। जगदलपुर स्थित अमर वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कांकेर, नारायणपुर, सुकमा और दंतेवाड़ा में पदस्थ वीरता पदक से अलंकृत पुलिस जवानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के शौर्य और बलिदान ने बस्तर के इतिहास को नई दिशा दी है। नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान में मिली ऐतिहासिक सफलताओं का श्रेय जवानों के साहस, समर्पण और दृढ़ संकल्प को जाता है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सुरक्षा बलों के जवान कठिन परिस्थितियों और आईईडी जैसे घातक खतरों के बीच भी पूरी निष्ठा और साहस के साथ अपने कर्तव्य पर डटे रहे हैं। राज्य गठन के 25 वर्षों के भीतर छत्तीसगढ़ पुलिस के 141 जवानों को गैलेंट्री अवार्ड से सम्मानित किया जाना उनके अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि नई सरकार के गठन के बाद बस्तर के उन दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों में भी राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराया जा रहा है, जहां पहले ऐसा संभव नहीं था। इस वर्ष 93 नए स्थानों पर तिरंगा फहराकर सुरक्षा बलों ने लोकतंत्र, विश्वास और राष्ट्रभावना की नई नींव मजबूत की है।

उप मुख्यमंत्री ने जगदलपुर में अगस्त 2025 के दौरान हुए बड़े आत्मसमर्पण का उल्लेख करते हुए कहा कि 210 नक्सलियों द्वारा 163 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण शांति और पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने इसे सुरक्षा बलों के दृढ़ संकल्प और बस्तर में शांति की स्थापना की दिशा में बड़ी सफलता बताया।

श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर में संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था की प्रभावी स्थापना जवानों के पराक्रम और स्थानीय जनता के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बंदूक के बल पर कायम व्यवस्था जनता के अधिकारों की रक्षा नहीं कर सकती। लोकतंत्र में वही व्यवस्था मान्य है, जो जनता द्वारा चुनी गई हो और जनता के प्रति जवाबदेह हो। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता बस्तर के जल, जंगल और संस्कृति को संरक्षित रखते हुए यहां के बच्चों को आधुनिक शिक्षा और तकनीक से जोड़ना है। जिन क्षेत्रों में कभी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, वहां अब विकास की नई संभावनाएं तैयार हो रही हैं।

उन्होंने बताया कि टेकुलगुड़ा जैसे क्षेत्रों में सुरक्षा कैंपों को ह्यशहीद वीर गुंडाधूर सेवा डेराह्ल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों में स्थानीय संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों के अनुरूप स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी और कौशल विकास केंद्र जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर में शांति, विकास और लोकतंत्र की स्थापना की दिशा में लगातार सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं। उन्होंने सभी जवानों और अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बस्तर में सुख, शांति और विकास का नया मार्ग प्रशस्त करने में सुरक्षा बलों के साथ-साथ यहां की जनता की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने अमर जवान शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी तथा शहीदों की स्मरण पट्टिका पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर महापौर संजय पांडेय, सहकारी बैंक अध्यक्ष दिनेश कश्यप, अन्य जनप्रतिनिधि, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी बद्री नारायण मीणा, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और जवान उपस्थित रहे।

बस्तर क्रिएटर हब स्टूडियो का उप मुख्यमंत्री शर्मा ने किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जगदलपुर स्थित लाला जगदलपुरी ग्रंथालय परिसर में स्थापित बस्तर क्रिएटर हब स्टूडियो का शुभारंभ किया। आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित यह क्रिएटर हब बस्तर के युवाओं, नवाचारी लोगों और स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी रचनात्मकता एवं विचारों को व्यापक मंच तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करेगा।

शुभारंभ के अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने क्रिएटर हब की विभिन्न सुविधाओं का अवलोकन किया और यहां उपलब्ध आधुनिक तकनीकी संसाधनों की जानकारी ली। उन्होंने युवाओं को डिजिटल माध्यमों से अपनी प्रतिभा को सामने लाने और बस्तर की कला, संस्कृति, परंपरा, पर्यटन एवं विकास की सकारात्मक तस्वीर देश-दुनिया तक पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया।

पहले पॉडकास्ट में उप मुख्यमंत्री का इंटरव्यू : बस्तर क्रिएटर हब के शुभारंभ के साथ ही इसके पहले पॉडकास्ट में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा का इंटरव्यू भी रिकॉर्ड किया गया। उन्होंने बस्तर के विकास, युवाओं की भूमिका और नई तकनीकों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर उपलब्ध कराने सहित विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए।

यह क्रिएटर हब बस्तर के युवाओं को कंटेंट निर्माण, पॉडकास्ट, वीडियो, डिजिटल मीडिया और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से स्थानीय युवा अपने विचारों, अनुभवों और नवाचारों को बेहतर तरीके से प्रस्तुत कर सकेंगे। बस्तर की प्रतिभाओं को मंच देने और स्थानीय विषयों को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने की दिशा में बस्तर क्रिएटर हब स्टूडियो एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित होने की उम्मीद है। इस अवसर पर इस अवसर पर महापौर संजय पाण्डेय, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष दिनेश कश्यप सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि और कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी बद्रीनारायण मीणा, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ तन्मय खन्ना, सहायक कलेक्टर यशवंत नाईक, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं क्रिएटर हब से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

तंबाकू पर शिकंजा कसने की तैयारी, कोटपा के कड़े अमल से बनेगा तंबाकू मुक्त छत्तीसगढ़

कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ जनभागीदारी और बहुक्षेत्रीय समन्वय पर दिया जा रहा जोर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

तंबाकू के सेवन पर रोक और इसके दुष्प्रभावों से लोगों को बचाने के लिए छत्तीसगढ़ में अब कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ जनभागीदारी और बहुक्षेत्रीय समन्वय पर जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) के तहत गुरुवार को स्वास्थ्य भवन, नवा रायपुर में ह्यसिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003ह्ल (कोटपा) के कड़े क्रियान्वयन को लेकर एक दिवसीय उन्मुखीकरण सह प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता अपर संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं श्री इंद्रजीत बर्मन ने की।

कार्यशाला में मुंबई से पहुंचीं वाइटल स्ट्रैटजीज की मुख्य वक्ता डॉ. चंद्रावली मदान ने तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान और लोगों को सिगरेट व अन्य तंबाकू उत्पादों से दूर रखने के उपायों पर जानकारी दी। वहीं वाइटल स्ट्रैटजीज की डॉ. हंसा कंडू ने राज्य में तंबाकू नियंत्रण कानून को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न विभागों और संस्थाओं की बहुक्षेत्रीय सहभागिता की आवश्यकता पर विचार साझा किए। प्रशिक्षण के दौरान विशेष रूप से नाबालिगों तक तंबाकू उत्पादों की पहुंच और उपलब्धता कम करने के उपायों पर चर्चा की गई, ताकि कम उम्र में तंबाकू सेवन की शुरूआत को रोका जा सके।

कार्यशाला में तंबाकू मुक्त समुदाय, तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान और तंबाकू मुक्त गांव की दिशा में किए जाने वाले प्रयासों के साथ जिला स्तर पर एमआईएस की प्रगति और उसके अपडेट की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को कोटपा के प्रावधानों के प्रभावी पालन और मैदानी स्तर पर निगरानी को मजबूत करने से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। अपर संचालक श्री इंद्रजीत बर्मन ने राज्य में तंबाकू के उपयोग को कम करने के लिए जागरूकता गतिविधियों के साथ वैधानिक प्रावधानों को सख्ती से लागू करने पर जोर दिया।

प्रशिक्षण में जिला स्तर से आए जिला नोडल अधिकारी (एनटीसीपी), जिला सलाहकार (एनटीसीपी), सामाजिक कार्यकर्ता, दंत शल्य चिकित्सक एवं दंत चिकित्सक, खाद्य एवं औषधि विभाग के प्रतिनिधि तथा जिला एनजीओ सहयोगियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के प्रति व्यापक जन-जागरूकता बढ़ाने के साथ तंबाकू उत्पादों की उपलब्धता, आपूर्ति और उपयोग को कम करने के लिए मैदानी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई की क्षमता विकसित करना रहा। स्वास्थ्य विभाग का जोर कानून के सख्त पालन, विभागीय समन्वय और जनभागीदारी के माध्यम से राज्य में तंबाकू मुक्त वातावरण तैयार करने पर है।

झीरम पहुंच उप मुख्यमंत्री शर्मा ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि, उनकी स्मृति में किया पौधारोपण

नई दृष्टिबिंदु / 00000

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने बस्तर जिले के झीरम घाटी पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शहीदों की स्मृति में पौधारोपण कर उनके बलिदान को नमन किया। इस दौरान श्रद्धा और संकल्प के नारों के साथ शहीदों को याद किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि झीरम के शहीदों की स्मृति में निर्मित स्मारक को जल्द ही और अधिक स्मरणीय स्वरूप प्रदान किया जाएगा। इसके लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। उन्होंने शहीदों के परिजनों से मुलाकात कर उनका सम्मान भी किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक विनायक गोयल, महापौर जगदलपुर संजय पांडेय, अन्य जनप्रतिनिधि, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बीएन मीणा, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि झीरम की घटना छत्तीसगढ़ के लिए एक भयंकर विभीषिका थी। इस घटना में प्रदेश ने अपने वरिष्ठ और कुशल नेतृत्वकताओं को खोया। पूर्व मंत्री स्वर्गीय श्री नंदकुमार पटेल, नेता प्रतिपक्ष रहे स्वर्गीय श्री महेंद्र कर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, सुरक्षा जवानों और नागरिकों का बलिदान छत्तीसगढ़ कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने कहा कि आज वे झीरम के शहीदों को यह बताने आए हैं कि जिस ताकत ने वर्षों तक बस्तर को भय और हिंसा के साये में रखा, संविधान और लोकतंत्र की पहुंच को दूरस्थ अंचलों तक पहुंचने से रोका तथा तिरंगे और विकास की राह में बाधा उत्पन्न की, उस ताकत को जड़ से उखाड़ने में सफलता मिली है।

तिरंगा यात्रा से दिया शांति और लोकतंत्र का संदेश

श्री शर्मा ने कहा कि आज बस्तर फिर खुली और आजाद हवा में सांस ले रहा है। तीन दिवसीय बस्तर तिरंगा यात्रा के दौरान पांच जिलों में करीब 600 किलोमीटर की यात्रा कर शांति और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया गया। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर नक्सलियों के आखिरी गढ़ माने जाने वाले करेगुट्टा की पहाड़ियों पर तिरंगा फहराकर यह संदेश दिया गया कि भारत का संविधान देश के हर कोने में प्रभावी रूप से लागू होगा। उन्होंने कहा कि अब कोई भी ताकत बंदूक के बल पर इस धरती को निर्दोषों के रक्त से रक्तरंजित नहीं कर सकेगी। झीरम के शहीदों का सपना ऐसा बस्तर था, जहां लोकतंत्र, शांति, विकास और विश्वास की जीत हो। आज बस्तर उसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

कहा- बस्तर अब खुली और आजाद हवा में सांस ले रहा है

शहीद परिवारों से मिले, पवित्र मिट्टी की गई संग्रहित

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने झीरम के शहीदों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा सभी शहीदों के सम्मान में स्मारक निर्माण का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान शहीदों के परिजनों ने झीरम की पवित्र मिट्टी पुलिस अधीक्षक को संग्रहित करने के लिए प्रदान की।

हौसले, विश्वास और विकास के संकल्प से बदला बस्तर

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बस्तर को रोकने वाला कोई नहीं है। युवाओं को जबरन हिंसा के रास्ते पर ले जाने वाली ताकतें कमजोर हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर को केवल गोलियों से नहीं, बल्कि हौसले, विश्वास और विकास के संकल्प से जीता गया है। उन्होंने कहा कि हिंसा का रास्ता छोड़ चुके और भटके हुए युवाओं को समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसका परिणाम है कि 3 हजार से अधिक लोगों ने पुनर्वास का रास्ता चुनकर हिंसा का त्याग किया है। यह बदलाव बस्तर में शांति, विश्वास और विकास की नई सुबह का संकेत है।

संपादकीय

जब चाटुकारिता ने संविधान को पीछे छोड़ दिया

स्वतंत्रता की 80वीं जयंती पर जब पूरा देश "कर्तव्य और अधिकार" की बात कर रहा है, उसी दिन देश की सर्वोच्च विधिक संस्था का एक "तुगलकी फरमान" यह याद दिला गया कि सत्ता के गलियारों में चाटुकारिता अब न्याय के मंदिर तक पहुंच गई है। प्रसंग है NALSAR हैदराबाद का। विश्वविद्यालय प्रशासन ने दीक्षांत समारोह में CJI जस्टिस सूर्यकांत को मुख्य अतिथि आमंत्रित किया। कुछ छात्रों ने उखककी पूर्व में बेरोजगार युवाओं को लेकर की गई टिप्पणी के विरोध में पत्र लिखकर पुनर्विचार का अनुरोध किया। बस, इतनी सी बात।

BCI का फरमान और सुप्रीम कोर्ट की फटकार

बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा ने 13 अगस्त की रात आदेश जारी कर दिया – NALSAR के 2026 बैच के किसी भी छात्र का राज्य बार काउंसिल में नामांकन नहीं होगा। कुलपति से कहा गया 3 दिन में विरोधी छात्रों की पहचान कर रिपोर्ट दें।

यह आदेश न केवल अधिकार क्षेत्र से बाहर था, बल्कि अधिवक्ता अधिनियम 1961 की मूल भावना के विपरीत था। धारा 6 और 24 के तहत नामांकन का अधिकार राज्य बार काउंसिल का है, BCI का नहीं।

भारी विरोध और सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार के बाद 14 अगस्त की देर रात 12:37 बजे BCI को आदेश वापस लेना पड़ा। CJI सूर्यकांत ने बेंच से कहा – "यह छात्रों और मेरे बीच का मामला है, इउक हस्तक्षेप करने वाला कौन होता है? असहमति का अधिकार छात्रों के पास है।"

सबसे बड़ा सवाल: अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहां है?

BCI का काम है विधिक शिक्षा के मानक तय करना, अधिवक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करना और अनुशासन बनाए रखना। लेकिन जब संस्था का अध्यक्ष ही चाटुकारिता में "अवांछित तत्परता" दिखाए, तो भविष्य का क्या होगा?

यह पहली बार नहीं है। कुछ दिन पहले ही जंतर-मंतर पर NEET पेपर लीक के विरोध में IIT रुड़की, IIT मद्रास, DU, BHU जैसे संस्थानों ने छात्रों को आंदोलन से दूर रहने की लिखित हिदायत दी। DU ने तो पर कानूनी कार्रवाई की धमकी भी दे डाली।

हम उस देश में जी रहे हैं जिसने JP आंदोलन 1977 और VP सिंह आंदोलन 1989 में छात्र राजनीति की ताकत देखी है। शरद यादव, लालू यादव, नीतीश कुमार, अरुण जेटली, रविंद्र चौबे, बृजमोहन अग्रवाल जैसे नेता छात्र राजनीति की ही उपज हैं। असम आंदोलन ने प्रफुल्ल महंत जैसा सबसे युवा उट दिया।

लेकिन आज छात्र संघ चुनाव ही बंद कर दिए गए हैं। कर्नाटक में 37 साल से, BHU में 29 साल से, लखनऊ में 21 साल से, इलाहाबाद में 8 साल से चुनाव नहीं हुए। छत्तीसगढ़ में भी वर्षों से छात्रसंघ चुनाव नहीं हुए।

गुरु और शिष्य का फर्क

जो संस्था अधिवक्ताओं को "व्यावसायिक आचरण और शिष्टाचार" सिखाती है, वही अगर अनुशासन के नाम पर तानाशाही करे और कानूनी शिक्षा के मानक छोड़कर "चरण पादुका पूजन" का मानक तय करने लगे, तो देश का भविष्य क्या होगा?

मनन कुमार मिश्रा BCI अध्यक्ष हैं, राज्यसभा सांसद हैं। नवंबर 2014 से लगातार अध्यक्ष हैं और 2025 में सातवीं बार सर्वसम्मति से चुने गए। लेकिन इस पद की गरिमा तब तक है जब तक वह संविधान और अधिवक्ता अधिनियम के दायरे में रहें।

CJI ने जिस गरिमा से छात्रों के विरोध को "अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता" मानकर सम्मान दिया, वही असली लोकतंत्र है। BCI का आदेश न सिर्फ अवैध था, बल्कि नैतिक रूप से भी दिवालिया था।

यह घटना सिर्फ BCI के एक आदेश की कहानी नहीं है। यह दृष्टांत है उन सभी सार्वजनिक जीवन में बैठे लोगों के लिए जो पद की गरिमा भूलकर चाटुकारिता को प्राथमिकता देते हैं।

द्रोणाचार्य ने शिष्य हित के लिए आंख फुड़वाई थी। एकलव्य का अंगूठा मांगा गया था। आज हमें तय करना है कि हम किस गुरु की परंपरा चाहते हैं – जो शिष्य को बड़ा बनाए, या जो शिष्य को छोटा कर दे?

विश्व गुरु बनने का सपना तभी साकार होगा जब हम लोकतंत्र की जड़ – छात्र की आवाज – को जिंदा रखेंगे। वरना 80 साल की आजादी का जश्न सिर्फ औपचारिकता बनकर रह जाएगा।

राजीव चौबे, संस्थापक,
राष्ट्रीय चेतना न्यूज, भिलाई

शिव-पार्वती के दिव्य मिलन का प्रतीक पर्व हरियाली तीज

श्वेता गोयल

"हरियाली तीज" सावन की हरियाली में शिव-पार्वती के दिव्य मिलन और नारी आस्था का अनुपम उत्सव है। माता पार्वती की कठोर तपस्या, अटूट संकल्प और भक्ति इस पर्व को विशेष आध्यात्मिक अर्थ प्रदान करते हैं। मेहंदी, हरे परिधान, चूड़ियां, झूले और लोकगीत इसकी सांस्कृतिक सुंदरता बढ़ाते हैं। बदलते समय में भी यह पर्व प्रेम, सौभाग्य, प्रकृति और नारी शक्ति का संदेश देता है।

हिंदू धर्म में तीज पर्व का बहुत महत्व है, जो सालभर में तीन बार आता है। सबसे पहले आती है सावन के महीने में हरियाली तीज, उसके कुछ ही दिन बाद कजरी तीज और फिर हरतालिका तीज। तीनों ही तीज भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित हैं और पूरे देश में बहुत धूमधाम से मनाई जाती हैं। हर साल श्रावण मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला हिंदू महिलाओं का महत्वपूर्ण त्यौहार है हरियाली तीज, जिसका वर्णन सनातन शास्त्रों में भी मिलता है। यह शिव-पार्वती की पूजा के साथ महिलाओं के सजने-संवरने और खुशियां मनाने का पावन त्यौहार है। हिंदू धर्म में हरियाली तीज को महत्वपूर्ण व्रतों में से एक माना जाता है।

सनातन धर्म में हरियाली तीज का व्रत अपार भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है, जो भगवान शिव और देवी पार्वती के दिव्य मिलन का प्रतीक है। मान्यता है कि तीज के दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करने से कई गुना अधिक फलों की प्राप्ति होती है। पौराणिक कथा के अनुसार इसी दिन माता पार्वती को 107 जन्मों तक तपस्या करने के बाद भगवान शिव ने अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड इत्यादि कई राज्यों में सुहागिन हिंदू महिलाएं दिनभर निर्जला व्रत रखकर अपने पति की लंबी आयु के लिए प्रार्थना कर हरियाली तीज मनाती हैं।

तीज पर्व उस दिन की याद में मनाया जाता है, जब भगवान शिव ने देवी पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया था, जिसके कारण पार्वती को तीज माता के रूप में पूजा जाने लगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती को समर्पित हरियाली तीज व्रत करने से विवाहित महिलाओं का जीवन खुशियों से भर जाता है,

हिंदू धर्म में महिलाओं का यह तीज पर्व का बहुत महत्व है

उनके पति को लंबी आयु का आशीर्वाद प्राप्त होता है जबकि अविवाहित लड़कियों की शीघ्र शादी के योग बनते हैं। यही कारण है कि विवाहित महिलाओं के साथ अविवाहित लड़कियां भी यह व्रत करती हैं। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना करने का विधान है। विवाहित महिलाएं अपने पति की सलामती और लंबी उम्र की प्रार्थना करने के लिए यह व्रत रखती हैं।

श्रावण महीने में आने वाली इस तीज को हरियाली तीज इसीलिए कहा जाता है क्योंकि यह पर्व मानसून के ऐसे मौसम में मनाया जाता है, जब वातावरण सबसे हरा-भरा होता है। यह पर्व सावन के महीने में ऐसे समय मनाया जाता है, जब संपूर्ण धरा पर हरियाली की मनोहारी चादर बिछी रहती है। सावन की हरी-भरी ऋतु में आने के कारण ही यह पर्व हरियाली तीज कहलाता है। हरियाली तीज के दिन वृक्ष, नदियों और जल के देवता वरुण देव की भी उपासना की जाती है। इसे सिंधारा तीज भी कहा जाता है। सिंधारा उपहार देने की ऐसी प्रथा है, जो नवविवाहितों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है। हरियाली तीज को सावन तीज, छोटी तीज, मधुश्रवा तीज इत्यादि नामों से भी जाना जाता है। पंजाब में इसे तीयां और राजस्थान में शिंगारा तीज के नाम से जाना जाता है। राजस्थान में माता पार्वती या तीज माता की शोभायात्राएं निकाली जाती हैं, वहीं हरियाणा में हरियाली तीज पर सरकारी अवकाश रहता है।

इस दिन श्रृंगार करने का काफी महत्व माना जाता है। दरअसल इस त्यौहार पर सुहागिन महिलाओं का अपने हाथों पर मेहंदी लगाना, हरे या लाल रंग के कपड़े पहनना, श्रृंगार करना और हरे रंग की चूड़ियां पहनना बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन श्रृंगार करने से मां पार्वती प्रसन्न होती हैं और अपना आशीर्वाद प्रदान करती हैं, इसलिए माता पार्वती की कृपा पाने के लिए सुहागिन महिलाएं श्रृंगार करती हैं और अपने अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं। सावन माह में हरे रंग का विशेष महत्व होता है क्योंकि यह रंग प्रकृति का रंग होता है। हरे रंग का गहरा संबंध वर्षा ऋतु और हरियाली से होता है, जो मन को भी शांति देता है। हिंदू धर्म में हरा रंग अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। हरा रंग प्रकृति, वृद्धि और नवीनता का प्रतीक है, जो इन गुणों को विवाह में भी दशार्ता है। माना जाता है कि धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी भी हरे रंग को पसंद करती हैं। यही कारण है कि हरियाली तीज में इस रंग को पहनना शुभ माना गया है। इसीलिए हरियाली तीज के मौके पर सुहागिन महिलाएं हरी साड़ी, हरी कांच की चूड़ियां इत्यादि खासतौर से पहनती हैं।

हरियाली तीज में बरगद (वट) वृक्ष की परंपरा बहुत महत्वपूर्ण है, घरों में तथा वट वृक्ष की शाखाओं पर झूले डाले जाते हैं, जिन पर महिलाएं एकत्रित होकर दिनभर झूला झूलती हैं, नृत्य करती हैं और लोकगीत गाते हुए खुशियां मनाती हैं। हिंदू पौराणिक कथाओं में वट वृक्ष को बहुत पवित्र माना गया है, जो ज्ञान का प्रतीक है और हरियाली तीज पर इसकी पूजा करना शुभ माना जाता है। हरियाली तीज के दौरान महिलाएं कठोर निर्जला व्रत रखती हैं, जिसमें वे पूरे दिन भोजन और जल से परहेज करती हैं। शाम को चंद्रमा की पूजा के साथ व्रत का समापन किया जाता है। वृदांवन के कृष्ण मंदिरों में तीज का उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है, जहां भगवान के लिए झूले बिछाए जाते हैं, जिसे झूलन लीला कहा जाता है। खासकर विवाहित हिंदू महिलाओं के लिए तो देवी पार्वती और भगवान शिव के दिव्य मिलन को समर्पित यह त्यौहार करवा चौथ के समान महत्व रखता है।

विभिन्न धार्मिक कथाओं के अनुसार हरियाली तीज व्रत की शुरूआत पर्वतराज हिमालय की पुत्री माता पार्वती ने की थी। माता पार्वती ने भगवान शिव को अपने पति के रूप में पाने के लिए काफी लंबे समय तक कठोर तपस्या की थी और यह व्रत किया था। इस व्रत के प्रभाव से ही भगवान शंकर उन्हें पति के रूप में प्राप्त हुए थे। हरियाली तीज मनाए जाने का वर्णन कई पौराणिक कथाओं में मिलता है। ऐसी ही एक पौराणिक कथा के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कई वर्षों तक कठोर तपस्या की थी। भगवान शिव ने उनकी तपस्या और भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया। इसीलिए इस दिन को माता पार्वती और भगवान शिव के पुनर्मिलन के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि तभी से ही हरियाली तीज का त्यौहार मनाने की परंपरा चली आ रही है और कुंवारी कन्याएं भी हरियाली तीज के दिन मनचाहे वर की प्राप्ति और विवाह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए यह व्रत रखती हैं।

बंदूक से रैंप तक, बस्तर की बेटियों ने बदल दी नक्सलवाद की तस्वीर

अजय कुमार

बस्तर की धरती पर सबसे बड़ी खबर अब यह नहीं है कि कितनी बंदूकें बरामद हुईं, कितने नक्सली मारे गए या कितनों ने आत्मसमर्पण किया। असली खबर वह तस्वीर है, जिसमें कभी जंगलों में हथियार लेकर चलने वाली महिलाएं रायपुर के मंच पर कोसा सिल्क पहनकर रैंप पर उतरती हैं। 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आत्मसमर्पित पूर्व महिला नक्सलियों की यह रैंप वॉक इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सुरक्षा अभियान के बाद शुरू होने वाली उस असली लड़ाई का चेहरा दिखाती है, जिसे आंकड़ों में नापना कठिन है हिंसा छोड़ चुके इंसान को सम्मान के साथ नई जिंदगी देना।13 अगस्त को सामने आए इस दृश्य में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इन महिलाओं से मुलाकात की, उनका हौसला बढ़ाया और रैंप पर उनकी मौजूदगी ने पूरे सभागार को तालियों से भर दिया। मुंबई से आई टीम ने उन्हें रैंप वॉक का प्रशिक्षण दिया। जिन हाथों में कभी बंदूक थी, उनमें अब हुनर है। जिन चेहरों से कभी जंगल का भय जुड़ा था, उन चेहरों पर अब आत्मविश्वास दिखाई दे रहा है।यहीं अमित शाह की 31 मार्च 2026 वाली घोषणा का अर्थ भी बदल जाता है। केंद्रीय गृह मंत्री ने पहले देश को नक्सलवाद से मुक्त करने की समयसीमा तय की थी और 31 मार्च को बस्तर समेत देश को नक्सलमुक्त घोषित करने की बात सामने आई। लेकिन नक्सलमुक्ति की घोषणा सुरक्षा व्यवस्था का अंत नहीं, विकास की सबसे कठिन शुरूआत है। गोली चलने का खतरा कम करना एक लक्ष्य था; अब ऐसी जिंदगी बनाना लक्ष्य होना चाहिए, जिसमें किसी युवक या युवती को बंदूक उठाने का कारण ही न मिले।

आंकड़े बताते हैं कि यह बदलाव अचानक नहीं आया। 31 मार्च की समयसीमा के आखिरी दिन बस्तर रेंज के चार जिलों में 44 माओवादियों के आत्मसमर्पण की खबर सामने आई और 217 हथियार जमा हुए। उससे पहले जनवरी 2024 से मार्च 2026 तक सुकमा में 38 मुठभेड़ों में 84 नक्सलियों के मारे जाने, 478 गिरफ्तारियों और 743 आत्मसमर्पण की जानकारी सामने आई। ये

आंकड़े सुरक्षा बलों के दबाव, खुफिया तंत्र और आत्मसमर्पण नीति के असर को दिखाते हैं। लेकिन इनके पीछे एक सवाल भी होना चाहिए कितनों को स्थायी रोजगार मिला? यही वह सवाल है जिसे नक्सलमुक्ति के जश्न के बीच दबने नहीं देना चाहिए। बंदूक छोड़ना कठिन है, लेकिन बंदूक छोड़ने के बाद सामान्य नागरिक बनकर जीना उससे भी कठिन हो सकता है। आत्मसमर्पित व्यक्ति को घर चाहिए, कौशल चाहिए, आय चाहिए, शिक्षा चाहिए और समाज का भरोसा चाहिए। अगर उसे हर दिन उसके अतीत से पहचाना जाएगा, तो मुख्यधारा में लौटने की प्रक्रिया अधूरी रहेगी। कानून अपराध की जवाबदेही तय करे, लेकिन समाज सुधार का दरवाजा बंद कर देगा तो पुनर्वास का अर्थ ही खत्म हो जाएगा।छत्तीसगढ़ में पुनर्वास और कौशल विकास पर जोर इसी कारण निर्णायक है। अप्रैल में सुकमा पहुंचे मुख्यमंत्री ने पुनर्वास केंद्र में आत्मसमर्पित युवाओं से मुलाकात की थी। उस समय बताया गया कि 2026 में 307 हितग्राहियों को प्रशिक्षण दिया गया और 313 मुख्यधारा में लौटे युवाओं को हर महीने 10 हजार रुपये का स्टाइपेंड दिया जा रहा था। सरकार का लक्ष्य केवल पुनर्वास नहीं, अवसर देना बताया गया। सहायता किसी को कुछ महीने संभाल सकती है; अवसर उसे वर्षों तक खड़ा रखता है।

जून में सुकमा के पुनर्वास केंद्र में 25 आत्मसमर्पित नक्सलियों, जिनमें 13 महिलाएं थीं, को राजमिस्त्री का प्रशिक्षण दिया गया। यहां कैमरे की चमक नहीं, रोजी-रोटी का सवाल है। अगर किसी पूर्व उग्रवादी के हाथ ईंट जोड़ना, घर बनाना या कपड़ा बुनना सीखते हैं, तो यह केवल कौशल प्रशिक्षण नहीं; यह हिंसा की अर्थव्यवस्था से श्रम की अर्थव्यवस्था में बदलाव है।बस्तर में महिलाओं की दूसरी तस्वीर भी सामने आ रही है। जून में सुकमा की दो आदिवासी युवतियों पुष्पा माड़काम और दिल्पा किच्चे को प्राथमिक लघु वनोपज समितियों का प्रबंधक बनाया गया और उन्होंने इस सीजन में 4.52 करोड़ रुपये के तेंदूपत्ता कारोबार की जिम्मेदारी संभाली। इसका मतलब साफ है जिस इलाके को लंबे समय तक बंदूक और भय से पहचाना गया, वहां महिलाएं अब बाजार, प्रशासन और कारोबार की जिम्मेदारी भी उठा रही हैं। यही बदलाव नक्सलमुक्ति की असली सफलता है।इसलिए रायपुर की रैंप वॉक को सिर्फ वायरल वीडियो बनाकर छोड़ देना सबसे बड़ी भूल होगी। इसे पुनर्वास मॉडल का हिस्सा बनाना होगा। कोसा सिल्क, बस्तर की बुनाई, हस्तशिल्प, वनोपज और जनजातीय कला को प्रशिक्षण, डिजाइन, ब्रांडिंग और बाजार से जोड़ना होगा। एक दिन की तालियां आत्मविश्वास देती हैं, लेकिन नियमित आमदनी आत्मनिर्भरता देती है। रैंप पर मिली पहचान तभी स्थायी होगी, जब अगले महीने भी इन महिलाओं के घर में उनकी मेहनत की कमाई पहुंचे।

नक्सलमुक्त बस्तर की अगली चुनौती इसलिए सुरक्षा नहीं, अवसर है। सड़कें बन गईं तो उन पर बाजार भी चलना चाहिए। मोबाइल नेटवर्क पहुंचा तो उससे शिक्षा और कारोबार भी जुड़ना चाहिए। सुरक्षा कैंप बने तो उनके आसपास बैंक, स्वास्थ्य, राशन, कौशल और रोजगार की सुविधाएं भी पहुंचनी चाहिए। अगर सरकार बंदूक की जगह विकास चाहती है, तो उसे हर गांव में राज्य की मौजूदगी जमीन तक ले जानी होगी।सबसे बड़ा बदलाव तब होगा जब बस्तर का युवा भविष्य का फैसला बंदूक नहीं, स्कूल, कौशल और रोजगार से करेगा। जब पूर्व नक्सली महिला को लोग उसके अतीत से नहीं, उसके काम से पहचानेंगे। जब किसी गांव की लड़की यह कह सकेगी कि वह अधिकारी बनेगी, उद्यमी बनेगी, बुनकर बनेगी या फैशन मॉडल बनेगी तब नक्सलवाद की विचारधारा को वास्तविक जवाब मिलेगा।यह बदलाव इसलिए भी निर्णायक है क्योंकि बस्तर की अगली पीढ़ी को अतीत की हिंसा नहीं, भविष्य के अवसर विरासत में मिलने चाहिए। यही किसी भी शांति अभियान की अंतिम सफलता होगी। और यही राज्य की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी है।अमित शाह ने नक्सलमुक्ति का लक्ष्य हासिल होने की बात कही है। अब सरकार के सामने उससे भी बड़ा लक्ष्य है बस्तर को अवसरमुक्त नहीं, अवसरों से भरपूर बनाना। क्योंकि नक्सलवाद की हार सिर्फ तब नहीं होती जब आखिरी बंदूक खामोश होती है। उसकी निर्णायक हार तब होती है, जब बंदूक छोड़ चुका हाथ दोबारा हथियार की तरफ देखने की जरूरत महसूस नहीं करता।रायपुर की उस रैंप पर चलती महिलाएं इसलिए बस्तर की नई तस्वीर हैं। तालियों से आगे रोजगार, मंच से आगे बाजार, आत्मसमर्पण से आगे सम्मान और नक्सलमुक्ति से आगे विकास यही वह रास्ता है, जिस पर चलकर सरकार अपने सबसे बड़े दावे को जमीन की सबसे बड़ी सच्चाई में बदल सकती है।

सुदृढ़ कृषि व्यवस्था और पारदर्शी सुशासन से बदल रही छत्तीसगढ़ के किसानों की तकदीर

डॉ. ओम प्रकाश डहरिया, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी, रायपुर

देश 80वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मना रहा है। यह अवसर केवल स्वतंत्रता के गौरव का नहीं, बल्कि विकास की उस सतत यात्रा का भी है, जिसने भारत के कृषि क्षेत्र को नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में खेती-किसानी को केवल उत्पादन तक सीमित न रखकर उसे आधुनिक, पारदर्शी, तकनीक आधारित और किसान-केंद्रित बनाने का व्यापक अभियान चलाया है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन तथा कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी के निर्देशन में कृषि विभाग ने किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने, उर्वरकों की सतत निगरानी, पारदर्शी वितरण व्यवस्था तथा गुणवत्ता नियंत्रण के माध्यम से ऐसा मॉडल विकसित किया है, जिसकी चर्चा राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। छत्तीसगढ़ के किसानों को आत्मनिर्भर, समृद्ध बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

राज्य सरकार की प्राथमिकता रही है कि किसानों को समय पर प्रमाणित खाद-बीज उपलब्ध हो और किसी भी स्थिति में खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा नकली उर्वरकों का नुकसान किसानों को न उठाना पड़े। इसी सोच के परिणामस्वरूप खरीफ 2026 में प्रदेश में 48.69 लाख हेक्टेयर के लक्ष्य के विरुद्ध 11 अगस्त तक 45.62 लाख हेक्टेयर अर्थात लगभग 94 प्रतिशत क्षेत्र में बोनी पूरी हो चुकी है। किसानों को अब तक 11.23 लाख मीट्रिक टन उर्वरक तथा 4.55 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित किए जा चुके हैं। उर्वरकों के 15.55 लाख मीट्रिक टन लक्ष्य के विरुद्ध 15.83 लाख मीट्रिक टन का भंडारण कर राज्य ने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी किसान को खाद की कमी का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने स्वयं अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सुगमता से प्रमाणित खाद-बीज उपलब्ध कराया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कठोर कार्रवाई हो। इसके साथ ही किसानों को खेती किसानी करने में किसी प्रकार की समस्या न हो, इस उद्देश्य से ठोस रासायनिक खाद के विकल्प के रूप में तरल नैनो उर्वरक के प्रति किसानों को जागरूक करने का काम भी विभाग के माध्यम से किया जा रहा है।

कृषि क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि उर्वरकों की गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था रही है। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी के नेतृत्व में विभाग ने नकली एवं अमानक उर्वरकों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया। वर्ष 2025 की तुलना में वर्ष 2026 में

प्रवर्तन कार्रवाइयों में 11.20 गुना वृद्धि दर्ज हुई और कुल कार्रवाई 44 से बढ़कर 493 मामलों तक पहुंच गई। न्यायालयीन प्रकरण 4 से बढ़कर 65, जब्ती की कार्रवाई 2 से बढ़कर 107, लाइसेंस निलंबन 3 से बढ़कर 106, लाइसेंस निरस्तीकरण 2 से बढ़कर 15 तथा विक्रय प्रतिबंध 33 से बढ़कर 189 मामलों तक पहुंचा। पहली बार ग्यारह एफआईआर दर्ज होना विभाग की शून्य सहिष्णुता नीति का प्रमाण है। इन कठोर कदमों ने किसानों का भरोसा मजबूत किया और कृषि आदानों की आपूर्ति व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाया।

सरकार की किसान हितैषी नीतियों का प्रभाव केवल उर्वरकों तक सीमित नहीं है। कृषक उन्नति योजना के माध्यम से खरीफ 2023 से खरीफ 2025 तक लगभग 25.52 लाख किसानों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिए 35,892.90 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत 24.63 लाख किसानों को 23वीं किस्त के रूप में 493 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मिली। किसानों की सुविधा के लिए एग्रीस्टैक, ई-केवाईसी और डिजिटल सेवाओं का विस्तार कर योजनाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया गया है।

कृषि को आधुनिक स्वरूप देने के लिए राज्य सरकार ने कृषि यंत्रीकरण, सूक्ष्म सिंचाई और प्राकृतिक खेती पर विशेष बल दिया है। अब तक 7,745 किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराए गए हैं तथा 568 फार्म मशीनरी बैंक स्थापित किए गए हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत लगभग 41,967 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई का विस्तार किया गया है। वहीं 57 हजार से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़कर पर्यावरण संरक्षण और कम लागत वाली खेती को प्रोत्साहित किया गया है।

उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य पालन के क्षेत्रों में भी राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। उद्यानिकी फसलों का रकबा बढ़कर 8.91 लाख हेक्टेयर पहुंच चुका है। ऑयल पाम और बांस रोपण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि हाईटेक नर्सरी, पैक हाउस और कोल्ड स्टोरेज जैसी अधोसंरचनाएं तेजी से विकसित की जा रही हैं। पशुपालन में दुग्ध उत्पादन, डेयरी भुगतान व्यवस्था और मोबाइल पशु चिकित्सा सेवाओं का विस्तार हुआ है, वहीं मत्स्य उत्पादन लगभग 23 प्रतिशत बढ़कर 9.59 लाख टन तक पहुंच गया है, जिससे छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी मत्स्य उत्पादक राज्यों में शामिल हो चुका है।

कृषि विपणन और अधोसंरचना के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां सामने आई हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) से प्रदेश की 21 मंडियां जुड़ चुकी हैं तथा कृषि अवसंरचना निधि के अंतर्गत 1,900 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध 3,026 करोड़ रुपये की उपलब्धि प्राप्त हुई है। बीज उत्पादन एवं प्रमाणीकरण की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन की गई है तथा रायपुर की शासकीय बीज परीक्षण प्रयोगशाला को एनएबीएल मान्यता मिलना राज्य की वैज्ञानिक कृषि व्यवस्था का प्रमाण है।

स्वतंत्रता के 79 वर्षों की इस ऐतिहासिक बेला पर छत्तीसगढ़ का कृषि परिदृश्य स्पष्ट संकेत देता है कि सरकार की योजनाबद्ध नीति, प्रभावी प्रशासन, पारदर्शी व्यवस्था और किसानों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण ने खेती-किसानी को नई ऊर्जा प्रदान की है। गुणवत्तापूर्ण उर्वरकों की उपलब्धता, कठोर गुणवत्ता नियंत्रण, डिजिटल सेवाओं का विस्तार, आधुनिक तकनीकों का समावेश और किसान-केंद्रित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन प्रदेश के कृषि विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन और कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी के प्रशासनिक नेतृत्व में छत्तीसगढ़ आत्मनिर्भर, आधुनिक और समृद्ध कृषि व्यवस्था की दिशा में एक सशक्त उदाहरण बनकर उभर रहा है।

दीपक नगर में महापौर अलका बाघमार का औचक निरीक्षण, निर्माण कार्यों की खुली पोल

-नाली-पुलिया तोड़कर अंदर से परखी निर्माण सामग्री, सरिया की गुणवत्ता में गड़बड़ी मिलने पर जताई नाराजगी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने नागरिकों से मिली शिकायत को गंभीरता से लेते हुए वार्ड क्रमांक 23 स्थित दीपक नगर में बिना पूर्व सूचना के औचक निरीक्षण किया। महापौर ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर के साथ मौके पर पहुंचकर क्षेत्र में चल रहे नाली एवं पुलिया निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति और गुणवत्ता का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने निर्माण कार्य में सरिया के इस्तेमाल में गंभीर अनियमितता पकड़ी। मौके पर निर्धारित मापदंडों के विपरीत सरिया लगाए जाने की बात सामने आई। जहां 4 एमएम की सरिया लगनी थी, वहां 8 एमएम और जहां 8 एमएम की सरिया निर्धारित थी, वहां 4 एमएम की सरिया लगाए जाने की जानकारी मिली। इस पर महापौर ने नाराजगी जताते हुए संबंधित ठेकेदार को कड़ी हिदायत दी तथा नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

निर्माण की गुणवत्ता की वास्तविक स्थिति जानने के लिए महापौर ने मौके पर ही नाली एवं पुलिया के निर्माण को तुड़वाकर अंदर से जांच कराई। उन्होंने निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री, सरिया और निर्माण की तकनीकी गुणवत्ता को स्वयं परखा। जांच के दौरान गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि ह्लजनसुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्य सीधे आम नागरिकों के हित से जुड़े होते हैं। ऐसे कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।ह्व उन्होंने कहा कि नागरिकों के पैसों से होने वाले विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। शिकायत मिलने पर केवल कागजी कार्रवाई करने के बजाय मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति की जांच करना जरूरी है।

महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगर निगम क्षेत्र में चल रहे सभी विकास एवं निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाए। नाली, पुलिया, सड़क सहित जनसुविधाओं से जुड़े

सभी कार्य निर्धारित तकनीकी मापदंडों एवं गुणवत्तापूर्ण सामग्री के साथ ही पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य में लापरवाही अथवा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर जिम्मेदारी तय करते हुए संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने कहा कि महापौर के निदेर्शानुसार निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की लगातार निगरानी की जा रही है। वार्डों में विकास कार्यों का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर, टिकाऊ और स्थायी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्माण कार्य को लेकर गुणवत्ता संबंधी शिकायत मिलने पर मौके पर जाकर जांच की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

महापौर के इस औचक निरीक्षण से निगम के अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों में भी गंभीरता का संदेश गया। महापौर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल विकास कार्य कराना नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण, टिकाऊ और नागरिकों के हित में उपयोगी विकास कार्य सुनिश्चित करना है।

खास खबर

फुगड़ी और गेड़ी छत्तीसगढ़ का पहला त्योहार हरेली का पहचान : भुपेश बघेल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ के लोक तिहार की मिटती पहचान को सहेजने और संवारने के प्रति लगाव रखने का संदेश देते हुए डुंडेरा में ग्रामवासियों के सहयोग से हरेली महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मुख्य अतिथि एवं पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू बतौर अध्यक्ष शामिल हुए। ग्रामवासियों के द्वारा दोनों अतिथि का अनोखा स्वागत देखने को मिला। गांव के मिनी माता चौक से सजी हुई बैलगाड़ी में बिठाकर उन्हें कार्यक्रम स्थल तक लाया गया। यह बड़ा रोचक ही दृश्य देखने को मिला। भूपेश बघेल बैलगाड़ी को खुद हांकते हुए नजर आए। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद जनता ने आत्मीयता और बड़े ही जोश के साथ उनका स्वागत किया।

अपनी भावनाओं को प्रकट करते हुए पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने लोगों को हरेली त्योहार का महत्व बताते हुए कहा, हरेली छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्यौहार है जिसमें किसानी में उपयोग होने वाले औजारों की पूजा होती है। चिला रोटी का भोग चढ़ाया जाता है। हरेली तिहार में खेले जाने वाले खेल पर उन्होंने चुटकी लेते हुए उपस्थित जनसमूह से पूछा कि यहां कितने लोग हैं जिन्हें गेड़ी चढ़ना आता है। यहां एक मेरी नजर में है जिन्हें मैं जानता हूं, कहते हुए उन्होंने भूपेश बघेल की ओर इशारा किया। हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ की पहचान त्योहारों और संस्कृति को सहेजने के लिए सशक्त भूमिका निभाई कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा हम सबको मिलकर बस हमें अपनी परम्परा और संस्कृति को संजोकर रखना है।

भूपेश बघेल ने हरेली का महत्व बताते हुए कहा कि पहले महिलाएं हरेली के दिन एक खेल खेला करती थीं फुगड़ी। फुगड़ी और गेड़ी छत्तीसगढ़ का पहला त्योहार हरेली का पहचान है, ये खेल छत्तीसगढ़ के अलावा दुनिया में कहीं देखने को नहीं मिलेगा। हरेली तिहार की पहचान इस खेल से दूर होती आज की पीढ़ी को इसे कीसहेज कर रखने की जरूरत है।छत्तीसगढ़ के लोक तिहार व उनसे जुड़ी संस्कृति को बचाने में हम छत्तीसगढ़ वासियों के हर पीढ़ी की भूमिका का होना बहुत जरूरी है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के त्योहारों की महत्ता, संस्कृति और आयोजनों में वर्तमान सरकार की भूमिका जैसी होनी चाहिए वैसी दिखाई नहीं देती इतर अन्य खेलों के। पूर्व विधायक प्रतिमा चंद्राकर ने भी हरेली त्योहार को लेकर अपना विचार व्यक्त किया। डुंडेरा में आयोजित हरेली महोत्सव में अतिथियों केलोक त्योहारों पर भाव प्रिय विचारों ने संस्कृति और परम्परा के प्रति लगाव के साथ नई पीढ़ी को सजग रहने का संदेश दे गया। इस हरेली महोत्सव में डुंडेरा का सारा जनसमूह छत्तीसगढ़ी लोकगीतों से सजे सांस्कृतिक प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध नजर आया।

विकास कार्यों में तेजी लाने के साथ नागरिक शिकायतों का जल्द निराकरण हो : आयुक्त

आयुक्त ने रामनगर व कुरूद के मुक्तिधाम संबंधी निविदा के बारे में की चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने निगम सभागार में विभिन्न विकास कार्यों एवं नागरिक सुविधाओं को लेकर समीक्षा बैठक ली। बैठक में ईंधन खपत, प्रधानमंत्री आवास योजना, जनदर्शन, प्रकाश व्यवस्था, राजस्व, खेल परिसर, पौधारोपण एवं सामुदायिक भवनों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में आयुक्त ने रामनगर एवं कुरूद के मुक्तिधाम संबंधी निविदा के बारे में चर्चा की, साथ ही खम्हरिया स्थित मुक्तिधाम के लिए भेजे गए प्रस्ताव की शासन से स्वीकृति के लिए पहल करने हेतु निर्देशित किये हैं। उन्होंने कहा कि विभागों से भेजी जाने वाली नस्तियों को लेखा परिक्षण पश्चात आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत किया जाए, ताकि कार्यों की नियमित समीक्षा एवं समय पर निर्णय लिया जा सके।

निगम के वाहनों में प्रतिदिन होने वाली ईंधन खपत की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने ईंधन की खपत में कमी लाने तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन आवासों की प्रगति, पूर्ण आवासों के आबंटन एवं लंबित कार्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। आयुक्त ने जनदर्शन, टीएल, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री एवं निदान पोर्टल से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की शिकायतों का समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए।

शहर की प्रकाश व्यवस्था की समीक्षा करते हुए बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को शीघ्र चालू कराने तथा आवश्यक स्थानों पर प्रकाश व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए गए, ताकि नागरिकों को पर्याप्त एवं बेहतर प्रकाश सुविधा मिल सके। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान निगम की वित्तीय आय में वृद्धि के लिए प्रभावी प्रयास करने पर जोर दिया गया। वहीं प्रियदर्शिनी परिसर स्थित खेल परिसर के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराने तथा मियावाकी प्लांटेशन एवं अन्य पौधारोपण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए।

आयुक्त ने निगम के सामुदायिक भवनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। बैठक में अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, उपायुक्त नरेंद्र कुमार बंजारे, अधीक्षण अभियंता वेशराम सिंहा, जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, राजस्व अधिकारी, लेखाधिकारी एवं उप अभियंता सहित निगम के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सर्व समाज की महिलाओं ने मनाया धूमधाम से हरेली मिलन समारोह

पारंपरिक खेलों के साथ महिलाओं ने ताजा की अपने बचपन की भुली बिसरी यादें

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सर्व महिला समाज के तत्वावधान में उत्तर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष देवी श्री साहू के नेतृत्व में नवीन प्राथमिक शाला, सिकोलाभाठा में हरेली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वार्ड की सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्व हरेली को हर्षोल्लास के साथ मनाया।

हरेली मिलन समारोह के दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न पारंपरिक खेल एवं मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इनमें फुगड़ी, गिल्ली-डंडा, गेड़ी, बिंदी लगाओ और रस्सी कूद सहित अन्य प्रतियोगिताएं शामिल रहीं। महिलाओं ने बढ़-चढ़कर प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और पारंपरिक खेलों का आनंद उठाया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कई महिलाओं ने पारंपरिक खेलों में भाग लेते हुए अपने बचपन की यादों को ताजा किया। आयोजन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ महिलाओं को आपसी मेल-जोल और सहभागिता का अवसर प्रदान करना रहा।

इस अवसर पर खुशी निर्मलकर, अनीता राजपूत, भानमती साहू, हुलासा बाई साहू, दुर्गा निषाद, ममता साहू, मालती साहू, टिकेश्वरी साहू, चित्ररेखा साहू सहित वार्ड की बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में महिलाओं ने हरेली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए पारंपरिक संस्कृति और लोक खेलों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

बाबा दरबार पावन धाम धनोरा से सोमवार को धूमधाम से निकलेगी डांक कांवड़ यात्रा

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में बढ़े ही धूमधाम से डांक कांवर यात्रा मनाया जाएगा। दरबार के लक्ष्मण बाबा ने बताया कि सावन माह के तीसरे सोमवार को सुबह 6 बजे महावीर उद्यान में इकट्ठा होकर महावीर उद्यान से शिवनाथ नदी के लिए रवाना होगे। जहां पर पहुंच कर शिवनाथ नदी में स्थान करने के बाद भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर जल लेकर दौड़ते हुए गंज पारा, कचहरी चौक, महाराजा चौक से बोरसी फिर धनोरा में गोल्डन चौक से मुख्य गली बाजार चौक होते हुए महावीर उद्यान पहुंचकर भगवान शिवजी में जल चढ़ाकर पूजा पाठ करके

अपने-अपने घर को प्रस्थान करेगे।

दोपहर से रुद्राभिषेक पुजा पाठ विद्वान पंडित द्वारा करके फिर खिचड़ी प्रसाद वितरण किया जाएगा। दोपहर 2 बजें से प्रसाद का वितरण किया जाएगा। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा के लक्ष्मण बाबा ने आगे बताया कि इस तरह के डांक कांवर यात्रा सिर्फ उत्तर प्रदेश में होता है, लेकिन लगातार पिछले तीन सालों से यह डांक कांवर यात्रा बाबा दरबार पावन धाम में भी किया जा रहा है। सभी श्रद्धालुओं से अपील है कि इस यात्रा में बड़ी संख्या में शामिल होगा पुण्य के भागीदारी बने। यह जानकारी दरबार प्रतिनिधि चंद्रकांत कोसरे व कुंजलाल साहू ने दी।

प्रकरण का निराकरण | दुर्ग जिले में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की पहली जनसुनवाई, 3 प्रकरण हुए नस्तीबद्ध

दुर्ग में महिला आयोग की जनसुनवाई : 27 प्रकरणों की सुनवाई, त्वरित कार्रवाई और विधिक सहायता पर दिया गया जोर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू, सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी, सह प्रभारी सुश्री दीपिका शोरी एवं सदस्य श्रीमती सरला कोसरिया ने आज कलेक्टर सभाकक्ष दुर्ग में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों की जनसुनवाई की। आयोग की अध्यक्षता में प्रदेश स्तर पर यह तीसरी तथा दुर्ग जिले में पहली जनसुनवाई थी। जनसुनवाई में कुल 27 प्रकरणों पर सुनवाई की गई, जिनमें 3 प्रकरण को नस्तीबद्ध किया गया। इनमें आयोग में दर्ज प्रकरणों के साथ ऐसे मामलों को भी सुना गया, जो आयोग में पूर्व से दर्ज नहीं थे और उनका भी आवश्यकतानुसार निराकरण किया गया।

जनसुनवाई के दौरान विभिन्न पारिवारिक विवाद, भरण-पोषण, दहेज प्रताड़ना, वैवाहिक विवाद, घरेलू विवाद एवं संपत्ति संबंधी मामलों को सुना गया। आयोग द्वारा दोनों पक्षों को सुनने के बाद आवश्यकतानुसार समझाइश, विधिक सहायता को कार्रवाई के निर्देश दिए। एक प्रकरण में आवेदिका एवं अनावेदक पक्ष उपस्थित हुए। प्रकरण में संबंधित अनावेदक की 26 मार्च 2026 को मृत्यु हो चुकी है। आवेदिका के ससुर ने बताया कि विवादित मकान उनके नाम पर है और वे उसे विक्रय करना चाहते हैं। आयोग द्वारा पक्षों को उनकी विधिक स्थिति के संबंध में आवश्यक समझाइश दी गई तथा प्रकरण को आगामी सुनवाई के लिए नियत किया गया। एक अन्य प्रकरण में आवेदिका ने भरण-पोषण की मांग रखी, जबकि अनावेदक ने बच्चे से मिलने की इच्छा व्यक्त की।

आयोग ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अनावेदक को माह में एक बार बच्चे से मिलने की अनुमति संबंधी सहमति बनाई। साथ ही आवेदिका को भरण-पोषण के लिए न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत करने की सलाह दी गई तथा आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

वैवाहिक विवाद से जुड़े एक प्रकरण में आवेदिका ने पति के अन्य महिला से संबंध होने की शिकायत की। आयोग ने अनावेदक को समझाइश देते हुए वैवाहिक संबंधों में मधुरता बनाए रखने तथा अन्य महिला से संबंध समाप्त करने की सलाह दी। प्रकरण को आगामी सुनवाई के लिए नियत किया गया। एक अन्य मामले में आवेदिका ने बताया कि वर्तमान में वह अपने पति के साथ रह रही है और अपना प्रकरण वापस लेना चाहती है। आयोग द्वारा अनावेदक को पत्नी के साथ मधुर संबंध बनाए रखने की समझाइश दी गई। आवेदिका के कथन के आधार पर प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया।

दहेज प्रताड़ना से जुड़े एक प्रकरण में आवेदिका को सुनने के बाद मामला प्रथम दृष्टया उचित प्रतीत होने पर महिला थाना प्रभारी को एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। प्रकरण को आगामी सुनवाई के लिए नियत किया गया। इसी प्रकार एक प्रकरण में आवेदिका के अस्वस्थ रहने तथा प्रकरण वापस लेने की इच्छा पर अनावेदक को समझाइश देकर प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया। एक अन्य मामले को दुर्ग सखी सेंटर भेजते हुए आवेदिका को गुजारा भत्ता तय कराने की प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए गए।

एक प्रकरण में संबंधित पक्षों ने बताया कि धारा 376 का मामला न्यायालय में विचाराधीन है और गवाही के लिए लंबित है। मामला न्यायालय में प्रचलित होने के कारण आयोग में प्रस्तुत प्रकरण को नस्तीबद्ध किया गया। जमीन पट्टा विवाद से जुड़े प्रकरण में आवेदिका को एसडीएम न्यायालय में जाने की सलाह दी गई। आयोग ने आवेदिका को इस मामले में निशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा आदेश पत्र की प्रति भी निशुल्क प्रदान की गई। प्रकरण आगामी सुनवाई के लिए नियत किया गया। एक अन्य वैवाहिक विवाद में अनावेदक द्वारा आवेदिका के साथ रहने से इनकार करने तथा अन्य महिला से संबंध होने की बात सामने आई। आयोग ने आवेदिका को आवश्यकतानुसार उतई थाने में अपराध दर्ज कराने के लिए स्वतंत्र बताया तथा आदेश पत्र की प्रति निशुल्क उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। आयोग ने सुनवाई के दौरान महिलाओं को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध कानूनी उपायों की जानकारी देते हुए आवश्यकतानुसार संबंधित विभागों से समन्वय कर प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर व एसएसपी से की भेंट : जनसुनवाई के पश्चात छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल से भेंट-मुलाकात की। इस दौरान महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई, महिलाओं की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के संरक्षण सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

साइंस फिक्शन हॉलीवुड फिल्म 'ब्लूफ्लाई' में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा जोनस और ऑस्कर विजेता अभिनेता, निर्देशक रसेल क्रो एक साथ फिल्म 'ब्लूफ्लाई' में नजर आएंगे। यह एक साइंस-फिक्शन एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। इस फिल्म को हॉलीवुड की चर्चित फिल्म 'प्रिडेटर्स' डायरेक्टर निम्रोद एंटल निर्देशित करेंगे।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 'ब्लूफ्लाई' इस फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में की जाएगी। 'डेडलाइन' के मुताबिक इस फिल्म से लिया बुमन, गाइ डेविस, रूथएन फ्रिगेरियो, ब्रायन कवानाध जोंस, जेसन क्रिंगस्टीन, केटी लीरी, स्कॉट लेवेंसन और जेम्स नॉरबरी एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े हैं।

क्या है फिल्म की कहानी

इस फिल्म की कहानी कांगो में रहने वाली एक यूएन ट्रांसलेटर की है। वह एक क्रैश प्लेन को खोजने के सीक्रेट मिशन पर है। इस मिशन में उसे कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आखिर में जब फिल्म की लीड कैरेक्टर विमान के करीब पहुंचती है तो उसे अहसास होता है कि इस प्लेन को कभी वापस नहीं लाना चाहिए था।

इन फिल्मों में नजर आएंगी

प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड के अलावा भारतीय फिल्में भी कर रही हैं। वह आठ साल बाद एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। इस फिल्म में महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आएंगे। फिल्म में पौराणिक कहानियों और साइंस फिक्शन का मिश्रण देखने को मिलेगा। इसके अलावा प्रियंका का नाम बॉन्ड गर्ल के तौर पर चुने जाने के लिए भी सामने आ रहा है।

यश राज फिल्म्स पहली बार बनाएगा हॉरर फिल्म

वरुण निभाएंगे लीड रोल

यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) पहली बार हॉरर जॉनर में कदम रखने जा रही है। इस फिल्म में अभिनेता वरुण धवन मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि निर्देशन और पटकथा की जिम्मेदारी 'रॉकेट बॉयज़' से चर्चित अभय पन्नू संभालेंगे। फिल्म की शूटिंग इस वर्ष के अंत में शुरू होने की योजना है और इसे वर्ष 2027 में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ किया जाएगा। फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के अनुसार, वाईआरएफ की पहली हॉरर फिल्म के लिए वरुण धवन को मुख्य अभिनेता के रूप में चुना गया है। सूत्रों का कहना है कि यश राज फिल्म्स ने अब तक लगभग हर प्रमुख जॉनर में फिल्में बनाई हैं, लेकिन हॉरर ऐसा जॉनर था, जिसमें स्टूडियो ने अब तक कदम नहीं रखा था। यह फिल्म उसी दिशा में ड्ढत्र्स्न की पहली पेशकश होगी।

सूत्रों के अनुसार, अभय पन्नू के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म को अक्षय विधानी रणनीतिक रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। 'रॉकेट बॉयज़' की सफलता के बाद यह अभय पन्नू की पहली थिएटरिकल फिल्म होगी। इसके साथ ही यह परियोजना नई पीढ़ी के फिल्मकारों को अवसर देने की वाईआरएफ की रणनीति को भी आगे बढ़ाती है। 'सैयारा' की सफलता के बाद आदित्य चोपड़ा के मार्गदर्शन में स्टूडियो मोहित सूरी, समीर सक्सेना और अब अभय पन्नू जैसे निर्देशकों के साथ काम कर रहा है। 'सुई धागा' के बाद यह वरुण धवन की यश राज फिल्म्स के साथ दूसरी फिल्म होगी। इस बार वह स्टूडियो की पहली थिएटरिकल हॉरर फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे।

रणवीर सिंह के 'डॉन 3' छोड़ने पर फरहान अख्तर का बड़ा बयान

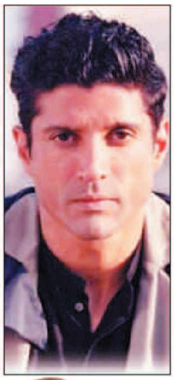

फरहान अख्तर और रणवीर सिंह के बीच 'डॉन 3' को लेकर विवाद अब भी चर्चा में है। इसी बीच फरहान ने एक इंटरव्यू के दौरान रणवीर का नाम लिए बिना उनके फिल्म छोड़ने को लेकर ऐसी बात कह दी, जो अब सुर्खियों में आ गया है। फरहान अख्तर हाल ही में अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म 'दिल चाहता है' के 25 साल पूरे होने के मौके पर बातचीत कर रहे थे। इस बीच उन्होंने रणवीर सिंह के 'डॉन 3' छोड़ने का जिक्र किया। रणवीर का नाम लिए बिना फरहान ने कहा, 'शूटिंग से एक महीने पहले फिल्म छोड़ दी... जो आजकल एक पैटर्न बन गया है।' बता दें कि रणवीर सिंह ने 'डॉन 3' की शूटिंग शुरू होने से कुछ दिन पहले फिल्म से बाहर होने का फैसला किया था। इसके बाद फिल्म को लेकर काफी विवाद हुआ।

51 की उम्र में अमीषा पटेल ने शादी पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड में शादी और पर्सनल लाइफ को लेकर अक्सर कलाकारों पर सवाल उठते रहते हैं। लेकिन आज के दौर में सिनेमा जगत के कई बड़े सितारे बिना किसी झिझक के अपनी शर्तों पर जिंदगी जी रहे हैं। सलमान खान, तबू और सुष्मिता सेन जैसी हस्तियों के बाद अब 'गदर' फेम अभिनेत्री अमीषा पटेल ने भी अपने सिंगल स्टेटस पर ऐसी बात कही है, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है।

51 साल की उम्र में भी अपने निडर अंदाज और ग्रेस के लिए जानी जाने वाली अमीषा पटेल ने हाल ही में अपने प्रशंसकों के साथ बातचीत के दौरान अपनी शादी को लेकर एक तीखा और बेबाक बयान दिया है। हाल ही में अमीषा पटेल ने अपने आधिकारिक ङ्ग हैंडल पर फैंस के लिए एक सेशन आयोजित किया था। इस दौरान उनके चाहने वालों ने करियर से लेकर पर्सनल लाइफ तक कई सवाल पूछे। इसी बीच एक यूजर ने अमीषा से सीधा सवाल किया— 'आप शादी कब कर रही हैं?' इस सवाल का जवाब देते हुए अमीषा ने बिना किसी हिचकिचाहट के लिखा, 'कभी नहीं, मैं सिंगल रहकर बहुत-बहुत खुश हूं। मेरे पास 100 करीबी रिश्तेदार और दोस्त हैं जो मुझे प्यार करते हैं। मैं किसी एक आदमी के आने और इस सब को बदलने का जोखिम नहीं उठा सकती।' अमीषा पटेल के इस जवाब ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। कई फैंस ने उनके इस नजरिए का समर्थन किया। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'शादी कई बार आपके सपनों को पूरा करने की राह में समझौता बन जाती है, सिंगल रहना ज्यादा आजादी देता है।' वहीं कई अन्य फैंस ने भी उनके इस फैसले को सही ठहराया। हालांकि, ऐसा नहीं है कि अमीषा ने कभी प्यार या शादी के दरवाजे पूरी तरह बंद कर दिए हों। कुछ समय पहले एक पॉडकास्ट के दौरान अमीषा ने अपनी पुरानी जिंदगी को लेकर खुलकर बात की थी। उन्होंने खुलासा किया था कि वह पहले एक गंभीर रिश्ते में थीं, लेकिन जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने का फैसला किया, तो उनके पार्टनर ने उनका साथ नहीं दिया।

अमीषा के मुताबिक, वे शादी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उनकी कुछ स्पष्ट शर्तें हैं। वह ऐसे हमसफर की तलाश में हैं जो उनके काम और आत्मनिर्भरता का सम्मान करे। अमीषा का मानना है कि उम्र से ज्यादा इंसान का बौद्धिक स्तर मायने रखता है। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा था कि उन्हें आधी उम्र के युवाओं से भी प्रपोजल मिलते हैं, लेकिन उनके लिए मैच्योरिटी ही सबसे बड़ी शर्त है।

10 साल छोटे क्रिकेटर संग अफेयर की खबरों पर भड़कीं मृणाल ठाकुर

इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में सेलिब्रिटीज की निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें फैलना अब एक आम बात हो गई है। लेकिन बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन झूठी खबरों को चुपचाप सहने के मूड में बिल्कुल नहीं हैं। हाल ही में भारतीय युवा क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल के साथ अपना नाम जोड़े जाने पर मृणाल ठाकुर का गुस्सा फूट पड़ा है। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों को जमकर खरी-खोटी सुनाई है। पूरा मामला मुंबई के बांद्रा वेस्ट स्थित एक कैफे का है। हाल ही में मृणाल ठाकुर और क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल को एक ही कैफे के बाहर अलग-अलग समय पर देखा गया। बस फिर क्या था, सोशल मीडिया पर दोनों के वीडियो को जोड़कर उनके अफेयर के कयास लगाने शुरू कर दिए। 34 साल की मृणाल ठाकुर और 24 साल के यशस्वी के बीच 10 साल के अंतर को लेकर भी इंटरनेट पर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। जब यह अफवाह हद से ज्यादा बढ़ने लगी, तो अभिनेत्री ने खुद सामने आकर इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो पर टिप्पणी करते हुए मृणाल ठाकुर ने लिखा, 'भाई थोड़ा रिलैक्स करो... मुझे दिखाओ कि हम एक साथ कहां हैं? आप जैसे पढ़े-लिखे लोग इन अफवाहों को सच कैसे मान सकते हैं? देश में क्या कुछ नहीं हो रहा है। जेन-जी से कुछ सीखिए और सही मुद्दों पर वीडियो बनाइए, ताकि आपको ज्यादा व्यूज मिल सकें।' हालांकि, कुछ समय बाद यह कमेंट वीडियो के नीचे से हटा दिया गया, लेकिन तब तक मृणाल के इस रिएक्शन का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो चुका था। प्रशंसकों ने मृणाल के इस बेबाक अंदाज़ की काफी सराहना की है।

पहले धनुष संग शादी की अफवाहों ने पकड़ा था तूल

यह पहली बार नहीं है जब मृणाल ठाकुर का नाम किसी हस्ती के साथ जोड़ा गया हो। इससे पहले वर्ष 2025 में भी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर के दौरान अभिनेता धनुष के साथ उनकी बॉन्डिंग को लेकर काफी चर्चाएं हुई थीं। उस समय ऐसी भी रिपोर्ट आई थीं कि दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। हालांकि, मृणाल के करीबियों ने इन खबरों को पूरी तरह से खारिज करते हुए इसे महज एक कोरी अफवाह बताया था। मृणाल ठाकुर ने अपने करियर की शुरुआत टीवी धारावाहिकों जैसे 'मुझसे कुछ कहती ये खामोशियां' और 'कुमकुम भाग्य' से की थी। इसके बाद उन्होंने फिल्म 'लव सोनिया' (2018) से बॉलीवुड में कदम रखा और 'सुपर 30' व 'बटला हाउस' जैसी हिट फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई।

नयनतारा ने की 'टॉक्सिक' की निर्देशक गीतू मोहनदास की तारीफ की

साउथ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म में कन्नड़ सुपरस्टार यश मुख्य भूमिका में हैं, जबकि नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। फिल्म को लेकर चर्चा सिर्फ इसकी स्टारकास्ट और कहानी की वजह से नहीं है, बल्कि निर्देशक गीतू मोहनदास के काम करने के तरीके ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। अब फिल्म की अभिनेत्री नयनतारा ने गीतू की तारीफ की है। हाल ही में 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में नयनतारा ने गीतू मोहनदास के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा, ''अब तक सभी लोग गीतू की एक निर्देशक के तौर पर खूब तारीफ कर चुके हैं, लेकिन मैं उनके व्यक्तित्व के उस पहलू के बारे में बात करना चाहती हूं, जो शायद पर्दे के पीछे नजर आता है। गीतू सिर्फ कलाकारों से उनका काम नहीं करवातीं, बल्कि उनकी भावनाओं को समझती हैं और मुश्किल समय में उनके साथ खड़ी भी रहती हैं।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''फिल्म की शूटिंग के दौरान कलाकारों को कई तरह की परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। किसी के लिए दिन अच्छा रहा तो किसी को मुश्किल सीन का सामना करना पड़ा। ऐसे समय में गीतू ने निर्देशक होने के साथ-साथ एक मजबूत सहारे की भूमिका भी निभाई। वह हर स्थिति में उनके साथ मौजूद रहीं। यही चीज गीतू को एक अलग तरह की निर्देशक बनाती है। वह अपने कलाकारों को केवल फिल्म का हिस्सा नहीं मानतीं, बल्कि उनके साथ एक भावनात्मक जुड़ाव भी बनाती हैं।''

इस दौरान नयनतारा ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक भावुक किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया, ''एक बार शूटिंग के दौरान गीतू एक कलाकार को लेकर काफी भावुक हो गई थीं। वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाईं। इसके बाद वह उस कलाकार के साथ कुछ देर तक रहीं, ताकि उसे अकेला न महसूस हो।'' उन्होंने आगे बताया कि जब गीतू से वापस आईं, तो हमने उनसे पूछा कि आखिर वहां क्या हुआ था। मुझे लगा कि शायद गीतू ने भावनाओं में आकर कुछ ऐसा कह दिया होगा, जो उन्हें नहीं कहना चाहिए था। मैंने उनसे पूछा, 'क्या हुआ? क्या आपने अपना आपा खो दिया? क्या आपने कुछ ऐसा कह दिया जो आपको नहीं कहना चाहिए था?' लेकिन गीतू ने बेहद सहजता से कहा, 'नहीं, मैंने बस प्यार दिया।'' नयनतारा ने कहा कि गीतू जिस भी कलाकार के साथ काम करती हैं, उसके साथ एक खास रिश्ता बना लेती हैं। बता दें कि 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और इसकी कहानी यश और गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखी है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग कन्नड़ और अंग्रेजी में की गई है और इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम समेत कई भाषाओं में डब किया गया है। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी यह फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

विश्लेषण

दिल्ली में लाल किले के स्वतंत्रता दिवस समारोह से दूर रहे राहुल गांधी और खड़गे

आलोक तिवारी/ नईदिल्ली

"सीटिंग प्रोटोकॉल" विवाद से गरमाई सियासत, रक्षा मंत्रालय ने दी सफाई

15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित किया, लेकिन इस राष्ट्रीय समारोह में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अनुपस्थिति ने नया सियासी घमासान छेड़ दिया है। सूत्रों के अनुसार दोनों नेताओं के समारोह से दूर रहने की मुख्य वजह बैठने की व्यवस्था और प्रोटोकॉल को लेकर असंतोष है।

क्या है विवाद की वजह : **विपक्ष का तर्क:** सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी और खड़गे को लगा कि उनकी संवैधानिक गरिमा और पद के अनुसार समारोह में बैठने की उचित जगह तय नहीं की गई थी। **रक्षा मंत्रालय की सफाई:** समारोह के आयोजक रक्षा मंत्रालय का कहना है कि निमंत्रण और बैठने की पूरी व्यवस्था 'टेबल ऑफ प्रेसिडेंस' के नियमों के अनुसार ही की गई थी। **आधिकारिक बयान नहीं:** इस पूरे मामले पर कांग्रेस या दोनों नेताओं की ओर से अभी तक कोई लिखित आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। **क्या है 'टेबल ऑफ प्रेसिडेंस'**

'टेबल ऑफ प्रेसिडेंस' भारत सरकार की आधिकारिक वरीयता सूची है। यह तय करती है कि सरकारी समारोह में किस संवैधानिक पद के व्यक्ति को कहां स्थान मिलेगा।

प्रमुख क्रम

रैंक 1: राष्ट्रपति
रैंक 2: उपराष्ट्रपति
रैंक 3: प्रधानमंत्री
रैंक 6: मुख्य न्यायाधीश, लोकसभा अध्यक्ष
रैंक 7: केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, राज्य के मुख्यमंत्री, राज्यसभा और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष

नियमों के अनुसार नेता प्रतिपक्ष का दर्जा केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के समकक्ष 7वें स्थान पर होता है। इसी आधार पर उन्हें अग्रिम पंक्तियों में स्थान मिलना चाहिए। **पहले भी उठ चुका है मुद्दा :** लाल किले पर सीटिंग को लेकर विवाद नया नहीं है। **स्वतंत्रता दिवस 2024:** तब राहुल गांधी को 5वीं पंक्ति में बैठाया गया था। कांग्रेस ने इसे नेता प्रतिपक्ष का अपमान बताया था। सरकार ने तर्क दिया था कि पेरिस ओलंपिक के खिलाड़ियों को आगे बैठाने के कारण ऐसा हुआ। **गणतंत्र दिवस:** 26 जनवरी के समारोहों में भी प्रोटोकॉल को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रीय पर्व पर सत्ता पक्ष और विपक्ष की एकजुटता संवैधानिक मयार्दा का प्रतीक होती है। लेकिन प्रोटोकॉल और वरीयता क्रम को लेकर बार-बार उपजता विवाद दशार्ता है कि राजनीतिक तल्खी अब राष्ट्रीय आयोजनों के मंच तक पहुंच गई है।

"एक छाता, एक देश और एक संकल्प" अटल जी की राजनीति आज भी प्रासंगिक

सत्यम सिंह / भिलाई

नमस्कार दोस्तों! जरा इस तस्वीर को ध्यान से देखिए यह महज एक तस्वीर नहीं है। यह भारतीय राजनीति का वो खोया हुआ दस्तावेज है। 2 जुलाई 1972, शिमला की वादियां। हल्की फुहारें। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के हाथ में एक छाता है और वो छाता उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधी, जनसंघ के कद्दावर नेता अटल बिहारी वाजपेयी के सिर पर तान रखा है। उस समय जनसंघ शिमला समझौते का विरोध कर रहा था, लेकिन जब राष्ट्रहित की बात आई तो अटल जी ने कहा था – मतभेद अपनी जगह हैं, पर जब देश की प्रधानमंत्री ने राष्ट्र हित में फैसला लिया है, तो विपक्ष की जिम्मेदारी है सरकार का साथ देना।

अहमद फराज का शेर ऐसे बड़प्पन पर सटीक बैठता है:

'दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे,
जब कभी हम दोस्त हो जाएँ तो शर्मिंदा न हों।'

आज न सत्तापक्ष में वो सहृदयता बची है, न विपक्ष में वो बड़प्पन। राजनीति विमर्श से हटकर आक्षेप का अखाड़ा बन गई है।

ग्वालियर से दिल्ली तक की यात्रा : 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर में जन्मे अटल बिहारी वाजपेयी के पिता कृष्ण बिहारी वाजपेयी शिक्षक और ब्रज भाषा के कवि थे। पिता से मिली काव्य-प्रतिभा अटल जी के रग-रग में बस गई। ग्वालियर के विक्टोरिया कॉलेज से बीए, कानपुर के डीएवी कॉलेज से राजनीति शास्त्र में एमए और फिर एलएलबी। दिलचस्प बात यह कि उनके पिता ने भी उसी कॉलेज में उनके साथ एलएलबी में दाखिला लिया था। 1947 में देश विभाजन की त्रासदी ने उन्हें पत्रकारिता की ओर धकेला। 'पंचजन्य' और 'राष्ट्रधर्म' का संपादन किया। 1939 में संघ से जुड़े, 1951 में जनसंघ के संस्थापक सदस्य बने। 1957 में बलरामपुर से पहली बार सांसद बने। संसद में जब 33 वर्ष का यह युवा बोलता था तो पंडित नेहरू भी मंत्रमुग्ध हो जाते थे। नेहरू ने कहा था – "यह नौजवान एक दिन देश का प्रधानमंत्री बनेगा।"

अटल जी भारत के इकलौते नेता हैं जो चार राज्यों की छह लोकसभा सीटों से जीते – यूपी के बलरामपुर, लखनऊ, गुजरात के गांधीनगर, एमपी के ग्वालियर, विदिशा और दिल्ली की नई दिल्ली।

आपातकाल से पोखरण तक : 1975 के आपातकाल में 18 महीने जेल। 1977 में विदेश मंत्री बने और UNGA में पहली बार हिंदी में भाषण देकर दुनिया को भारत की सांस्कृतिक ताकत दिखाई। 1980 में भाजपा के संस्थापक अध्यक्ष बने। 1984 में जब भाजपा 2 सीटों पर सिमट गई, तब भी उनका हौसला नहीं टूटा। मुंबई अधिवेशन में कहा था – 'अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा।'

1996 में 13 दिन, 1998 में 13 महीने प्रधानमंत्री रहे। मई 1998 में पोखरण में 5 परमाणु परीक्षण कर भारत को परमाणु संपन्न राष्ट्र बनाया। 1999 में सरकार 1 वोट से गिरी, लेकिन लोकतंत्र की मयार्दा नहीं टूटी। फिर 1999 में पूर्ण बहुमत से लौटे और पहला गैर-कांग्रेसी 5 वर्षीय कार्यकाल पूरा किया।

छत्तीसगढ़ और भिलाई से आत्मीय रिश्ता : अटल जी के दिल के सबसे करीब था 'छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण'। उन्होंने वादा किया था – 'आप हमें सांसद दीजिए, हम आपको छत्तीसगढ़ राज्य देंगे।' यह जुमला नहीं था। 1 नवंबर 2000 को बिना हिंसा, बिना खून-खराबे के छत्तीसगढ़ 26वें राज्य के रूप में बना।

भिलाई से उनका रिश्ता भावनात्मक रहा। वे दो बार भिलाई आए: 1978 में सांसद के तौर पर – भिलाई इस्पात संयंत्र और श्रमिक बस्तियों का दौरा कर मजदूरों से सीधा संवाद किया। 14 दिसंबर 2000 को प्रधानमंत्री के तौर पर – राज्य बनने के डेढ़ महीने बाद रअक्छ के 100 मिलियन टन स्टील उत्पादन के जश्न में जयंती स्टेडियम में लाखों लोगों को संबोधित किया। यहीं से 'अटल आवास योजना' और भिलाई के बुनियादी विकास की घोषणाएं कीं।

संसद में दिया उनका वाक्य आज भी सिद्धांत है: 'सरकारें आएंगी, जाएंगी... पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी... मगर यह देश रहना चाहिए, इस देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए।'

कवि, नेता, अजातशत्रु
अटल जी कवि भी थे :

'कर्तव्य के पुनीत पथ पर,
जो भी मिला, यह भी सही, वह भी सही। वरदान मांगूंगा नहीं।' 16 अगस्त 2018 को भौतिक रूप से विदा हुए, लेकिन अपनी पंक्तियों में अमर हैं :

'हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा,
काल के कपाल पर लिखता मिटाता हूं, गीत नया गाता हूं।' आज अटल जी को याद करते हुए भारत मां के इस सपूत को कोटि-कोटि नमन। उनका विचार, उनका संयम और छत्तीसगढ़ निर्माण में उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा।

अंदर की बात

-:: खुलकर :-
यशवंत साहू, फाउंडर भिलाई टाइम्स

नेता जी का रिसॉर्ट कांड और खुल्लम-खुल्ला प्यार...

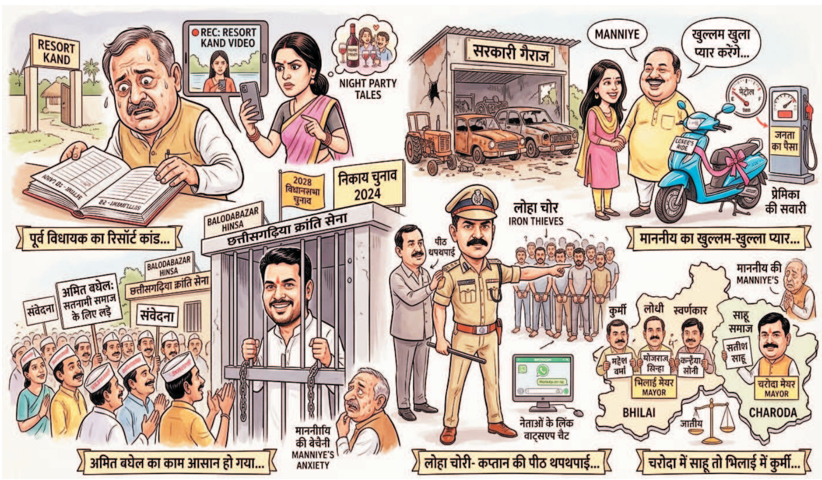

पूर्व विधायक का रिसॉर्ट कांड...

कहते हैं राजनीति में नाड़ा टाइट होना चाहिए। अगर गलती से भी ये ढिला हो जाए तो कैरेक्टर ढिला होना तय है। कुछ ऐसा ही हुआ है दुर्ग संभाग के एक पूर्व विधायक का। सत्ता सरकार के पूर्व विधायक होने की वजह से वे निश्चिंत है। लेकिन उनके रिसॉर्ट कांड की चर्चा पूरे प्रदेश में है। केस में सैटेलमेंट के नाम पर 8 लाख रुपए भी दिए। बावजूद पीड़िता नहीं मानी। अब वीडियो बनाना शुरू हो गया है। नेताजी के मन में खौफ है कि कहीं ये बात बाहर न चली जाए। लेकिन ये आग सिर्फ क्षेत्र में नहीं, पूरे प्रदेश में फैल चुकी है। ये चीज है ही ऐसी। दरअसल, कहानी ये है कि नेताजी अपने 4 मित्रों के साथ पास के चर्चित रिसॉर्ट गए। साथ में एक खूबसूरत लड़की भी। जो इन चार में से एक की प्रेमिका थी। सुहानी शाम के बाद अंधेरी रात आई और पुल के पास अंगूर की रस के साथ पार्टी चलती रही। जब मित्र रूम से बाहर निकले तो नेताजी समेत चारों भी टूट पड़े। बताते हैं कि बारी-बारी सबने अपनी इच्छा पूरी की। एक-दो दिनों तक मामला शांत रहा। फिर बात पुलिस तक पहुंचाने की धमकी दे डाली। नेताजी ने अपने एक चहेते से कहकर 8 लाख रुपए दिलवाए। अब बात बहुत आगे बढ़ चुकी है। कहीं से ये मामला बड़ा न हो जाए। सरकार तक बात पहुंच गई है।

माननीय का खुल्लम-खुल्ला प्यार...

सूबे के एक माननीय अपने प्यार-इश्क और मोहब्बत के लिए खूब चर्चे में है। चॉकलेट, महंगे गिफ्ट और सरप्राइज के मामले में नेताजी ने जेंजिस को पीछे छोड़ दिया है। उनकी जवां प्रेमिका हर चीज को जग-जाहिर भी कर दे रही है। इसी चक्कर में ये बात सभी तक पहुंच गई। नेताजी का इश्क तो वैसे भी खुल्लम-खुल्ला है। उन्हें देखकर बरबस गाना याद आता है—'खुल्लम खुल्ला प्यार करेंगे हम दोनों' नेताजी की प्रेयसी भी अपने प्रेम का सार्वजनिक उद्घोष करती रहती हैं—कभी फेसबुक पर, 'आज नेता जी ने मेरे लिए जन्मदिन पर केक भेजा', तो कभी, 'आज नेता जी ने मेरे लिए दिवाली की मिठाइयाँ भेजीं।' विभाग में भले ही खटारा वाहन और कबाड़ हो चुकी मशीनों की कतार लगी हो, लेकिन प्रेमिका की सवारी के लिए चमचमाती कार का सरकारी इंतजाम रहता है। इतना ही नहीं, नेताजी ने अपनी प्रेयसी को बैटरी से चलने वाला दुपहिया वाहन भी भेंट कर रखा है। यानी प्रेम में पेट्रोल का खर्च भी जनता का और सफर भी सरकारी। बताते हैं कि, संगठन में भी उनकी पैराशूट एंट्री करवा दी है। इश्क निजी हो तो दिलों का मामला है, लेकिन जब प्रेम की गाड़ी सरकारी गैराज से निकले, ईंधन जनता का हो और सफर सरकारी संसाधनों से हो, तब इसे सिर्फ.मोहब्बत कहें या हिसाब भी माँगें?

अमित बघेल का काम आसान हो गया....

– छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के सुप्रीमो और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के अध्यक्ष अमित बघेल सुर्खियों में है। अगर वे करोड़ों रुपए खर्च कर विज्ञापन भी देते तो शायद इतना अखबारों-टीवी चैनलों में भी नहीं दिखते। सरकार ने अमित बघेल का काम आसान कर दिया है। अब तो सतनामी समाज के लोग भी अमित बघेल को सर आंखों पर बिठा रहे हैं। क्योंकि, बलौदाबाजार हिंसा मामले को लेकर देवेंद्र यादव के साथ-साथ सरकार ने अमित बघेल को भी जेल भेजा था। सतनामी समाज के लोगों का मानना है कि अमित बघेल सतनामी समाज के लिए लड़ते-लड़ते जेल गए। उनके लिए संवेदना है। इसका फायदा प्रदेशभर में अमित बघेल को मिल रहा है। हालांकि, विधानसभा चुनाव में ढाई बरस का वक्त है। आने वाले निकाय चुनाव में सरकार की मुश्किलें छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना बढ़ा सकती है। हर निकाय में चुनाव लड़ने का ऐलान 16 अगस्त को भिलाई में हो सकता है। कहीं न कहीं सरकार ने अमित बघेल की राह आसान कर दी है। लोगों में छत्तीसगढ़ियावाद की आग भड़क रही है।

लोहा चोरी- सरकार ने थपथपाई कप्तान की पीठ...

– आईपीएस विजय अग्रवाल...कड़क मिजाज, वर्दी का सम्मान और उससे प्रेम करने वाले आईपीएस अफसर हैं... । निडर और निष्पक्ष भी। सरकार तो यही मानती है दुर्ग पुलिस कप्तान को। उनके काम को सबने देखा भी है। लोहा चोरी मामले में तटस्थ होकर कार्रवाई। न इधर, न उधर... । मामले में 17 लोहा चोरों का जेल दाखिला कराया। इसमें बाचू भी नहीं बचा। मामले में प्रेशर भी बहुत रहा होगा। लेकिन अडिग रहे। दरअसल, मामला ही इतना बड़ा था। मामले में कड़ियां जुड़ रही है। कई नेता और रसूखों के लिंक जुड़ रहे हैं। वाट्सएप चैट के अलावा कॉलिंग भी है बड़े-बड़े लोगों और नेताओं के साथ। सबकुछ पुलिस के पास है। इस पूरे एपिसोड में एक माननीय तो काफी बेचैन नजर भी आ रहे हैं। खैर, कप्तान को उन सबसे फर्क नहीं पड़ता। मामले में जो भी अपडेट आ रहे हैं, उसे उच्च अधिकारियों को दे रहे। साथ ही साथ कार्रवाई भी करते आ रहे हैं। इसीलिए सरकार ने एसएसपी की पीठ थपथपाई है। क्योंकि, सरकार ने जो भी टास्क दिया, उसे समय से पहले अनुशासन में कप्तान ने कंप्लीट किया। काम से सरकार गदगद है।

चरोदा में साहू तो भिलाई में कुर्मी, लोधी, सोनी...वाला समीकरण...

इस साल भिलाई, चरोदा, रिसाली और बीरगांव निगम का चुनाव है। आरक्षण इसी महीने है। जल्द ही वार्डो की तस्वीर साफ हो जाएगी। अब पूरी कवायद मेयर प्रत्याशी के लिए हो रही है। भाजपा और कांग्रेस में दावेदारों की लंबी फौज है। लेकिन भाजपा मन बना रही है कि भिलाई में कुर्मी, लोधी या स्वर्णकार समाज से मेयर की टिकट दी जाए। वहीं चरोदा में मेयर की टिकट साहू समाज की झोली में डाला जाए। अभी तो सिर्फ सुगबुगाहट है। मगर फॉमूर्ला ऐसा ही बनाया जा सकता है। चरोदा में सतीश साहू के नाम की चर्चा खूब है। तो वहीं भिलाई में महेश वर्मा, भोजराज सिन्हा और कन्हैया सोनी के बीच रेस चल रही है मेयर प्रत्याशी के लिए। संगठन के पास सबसे ज्यादा इन तीन नामों के लिए सिफारिश पहुंच रही है। लेकिन अभी वक्त बहुत है। ये नाम और फिल्टर होंगे और जुड़ेंगे भी और समीकरण में बदलवा हुआ तो पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र साहू और मौजूदा जिला भाजपा अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन की दौड़ में शामिल हो सकते है।

एक युद्ध अभद्र भाषा के विरुद्ध अभियान को देशभर से मिल रही है सराहना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

"गाली-गलौज की संस्कृति केवल भाषा का मुद्दा नहीं, बल्कि मानसिकता और सामाजिक मूल्यों से जुड़ा हुआ है। जब तक हम अपनी भाषा को सभ्य नहीं बनाएंगे, तब तक हमारे समाज की संस्कृति और स्त्रियों का सम्मान प्रभावित होता रहेगा। इस प्रवृत्ति को बदलने के लिए व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर प्रयास करना जरूरी है।भिलाई की डॉ.सोनाली चक्रवर्ती का यह अभियान ना केवल अभिनव है बल्कि आवश्यक भी है।

जंतर-मंतर पर युवाओं की सक्रियता देख अच्छा लगा किन्तु जिस असभ्य भाषा में उन्होंने अपनी भड़ास निकाली, वह हमारे भावी चरित्र के लिए कुछ खराब संकेत जरूर दें गई। आखिर कब और कैसे ये ठीक होगा?"

पीएन शर्मा, अतिरिक्त आयुक्त
उद्योग विभाग, राजस्थान सरकार

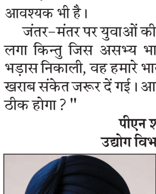

जब गाली-गलौज को मनोरंजन के नाम पर बेचा जाता है, तो हैरान मत होइए अगर वही भाषा सार्वजनिक बहस का हिस्सा बन जाए। प्रदर्शनों के दौरान ञ्ज्ल्ल` की भाषा अशोभनीय थी। लेकिन अचानक मचा हुआ हंगामा थोड़ा चुनिंदा लगता है। पिछले कुछ सालों में कुछ सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों और हिट डळठ सीरीज ने गाली-गलौज, आक्रामकता और जहरीले व्यवहार को सामान्य बना दिया है। दर्शकों ने तालियां बजाई, आलोचकों ने तारीफ की, और कई लोगों ने इसे "यथार्थवादी कहानी" तक कह दिया।

तो जब वही पीढ़ी सड़कों पर उसी संस्कृति को दोहराती है, तो हम लक्षण की निंदा करते हैं और स्रोत को सराहते हैं। शायद सवाल सिर्फ ये नहीं है कि, "Gen Z" इस तरह क्यों बोल रही है?" बल्कि ये भी है कि, "उन्हें ये सामान्य किसने सिखाया?" समाज स्क्रीन पर गाली को तब तक नहीं सराह सकता जब तक वो मुनाफा दे रही है, और फिर असल जिंदगी में वही गूंज सुनकर चौंक नहीं सकता। भिलाई की डॉ. सोनाली चक्रवर्ती अपने अभियान 'एक युद्ध अभद्र भाषा के विरुद्ध' द्वारा बेहद सराहना कार्य कर रही है। हम उसका सपोर्ट करते हैं।

गुरिंदर पाल सिंह
उद्यमी एवं करियर सलाहकार, हैदराबाद

गालियों को एक दिन के लिए भी सपोर्ट नहीं करना चाहिए था लेकिन हम सब ने इसको अपने घर के अंदर आने दिया। मनोरंजन अब बच्चों की परवरिश और भविष्य की चिंता से भी बढ़कर हो गया इस वजह से ऐसी स्थिति का निर्माण हुआ जो अब हम सबसे सहा नहीं जा रहा। भिलाई की डॉ. सोनाली चक्रवर्ती की अभियान से हम भी जुड़े हुए हैं। अपने आसपास के लोगों व बच्चों से सभ्य भाषा के प्रयोग के लिए कहते हैं हमें इस बात की खुशी है।

इस अभियान को पूरे देश में चलाना चाहिए

स्मिता मंडल, लीगल प्रैक्टिस एसोसिएट
हुबली(कर्नाटक)

स्वयंसिद्धा - ए मिशन विथ विजन की संस्थापिका डॉ सोनाली चक्रवर्ती ने अन्य अनेक सामाजिक कार्यों के साथ ही एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य भी प्रारंभ किया है - एक युद्ध अभद्र भाषा के विरुद्ध। आज जेन जी के समय में जब हर चीज का क्रमिक विकास हो रहा है चाहे वह विज्ञान और तकनीकी का क्षेत्र हो चाहे कला व खेल हो वहीं बहुत ही दुखी मन से यह कहना पड़ रहा है कि भाषा का क्रमिक ह्रास हो रहा है।

साहित्यिक भाषा में मिलावट और खिचड़ी भाषा तक तो फिर भी ठीक था परंतु वर्तमान में भाषा में अभद्र शब्दों का प्रयोग बहुतायत में हो गया है। ओ टी टी और सोशल मीडिया का इसमें बहुत बड़ा हाथ है। हाल ही में हमने देखा कैसे हमारे प्रधानमंत्री के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग कर विरोध प्रदर्शन किया गया। और अत्यंत आश्चर्यजनक है कि तथाकथित बुद्धिजीवी वर्ग आक्रोशित युवा के इस अमर्यादित भाषा का समर्थन कर रहा था।

अभद्र भाषा का प्रयोग समाज, संस्कृति और आपसी रिश्तों के लिए हानिकारक है। यह विचारों की परिपक्वता नहीं बल्कि मानसिक कमजोरी को दशार्ता है। एक सभ्य समाज के निर्माण के लिए हमें बातचीत में शालीनता अपनानी चाहिए और हर स्तर पर अभद्र व अपमानजनक भाषा का पुरजोर विरोध करना चाहिए। हम क्या लिखते हैं, क्या बोलते हैं इसका आसपास के परिवेश पर गहरा प्रभाव पड़ता है। विचार और भाव एक प्रकार की ऊर्जा है जो हमारे समाज को प्रभावित करती है। रामधारी सिंह दिनकर जी ने लिखा है -

कलम देश की बड़ी शक्ति है भाव जगाने वाली
दिल ही नहीं दिमागों में भी आग लगाने वाली

उपरोक्त पँक्तियाँ भाषा पर भी लागू होती हैं। शब्द हमारे विचारों के आईने होते हैं। अच्छी भाषा समाज में सकारात्मकता फैलाती है। अभद्र भाषा रिश्तों में कड़वाहट और दूरियां पैदा करती है। क्रोध में बोले गए अपशब्द मानसिक तनाव बढ़ाते हैं। यह आपसी सम्मान और विश्वास को कमजोर करता है। नई पीढ़ी पर इसका बुरा असर पड़ता है। इससे हिंसा और द्वेष की भावना को बढ़ावा मिलता है। सामाजिक सौहार्द और शांति खतरे में पड़ती है। विरोध और सुधार के उपाय संयम और शालीन शब्दों में भी रखे जा सकते हैं। भाषा की मयार्दा कभी भी नहीं तोड़ना चाहिए। अपशब्दों का प्रयोग करने वालों को दृढ़ता से रोका जाना चाहिए। सोशल मीडिया पर भी अभद्र टिप्पणियों का बहिष्कार किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

भाषा मनुष्य की सबसे बड़ी पहचान है। हमारी बोली से ही हमारे संस्कारों का पता चलता है। हम सब को मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि जीवन में कभी अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं करेंगे और दूसरों को भी इसके विरोध के लिए प्रेरित करेंगे।एक एक मिलकर ही अनेक होते हैं। अपने आसपास अपने परिचितों से ही आरम्भ कर उन्हें आगे और लोगों को समझाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। तभी हम इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

डॉ. सोनाली चक्रवर्ती इस दिशा में काफी सराहनीय व अनुकरणीय कार्य कर रहीं हैं। वे विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में जाकर बच्चों से मुखातिब होकर उन्हें मर्यादित भाषा के प्रयोग के प्रति जागरूक कर रहीं हैं। आपने अपने इस अभियान को युद्ध की संज्ञा दिया है। निश्चित ही यह एक युद्ध है। अभद्रता रूपी राक्षस के विरुद्ध युद्ध। राक्षस जब रक्तबीज जैसा मायावी और शक्तिशाली हो, तो माँ काली को अवतरित होना ही पड़ता है और माँ काली की सहायता के लिए अन्य देव सेना की भी आवश्यकता होती है। हम सभी को इस पुनीत कार्य में डॉ. सोनाली का सहयोग करना चाहिए।

अनंत पुरोहित
अभियंता एवं लेखक रायपुर

न लड़कों को और न लड़कियों को गाली देनी चाहिए। ये सब देख-सुन कर मुझे सच में बहुत दुख हुआ।आज के बच्चे, मेरा मतलब ञ्ज्ल्ल`, ये सब इतनी आसानी से कैसे बोल लेते हैं। लेकिन हाँ, ये भी सच है कि परवरिश मायने रखती है।

सारे ञ्ज्ल्ल ऐसे नहीं हैं। इन्हें अभिव्यक्ति की आजादी चाहिए, अगर इससे भी ज्यादा आजादी मिल गई तो ये बच्चे क्या-क्या करेंगे। असल में ये सोशल मीडिया वगैरह की वजह से बहुत जल्दी प्रभावित हो जाते हैं इसलिए सोशल मीडिया पर नकेल लगाना जरूरी है। इस वजह से सोनाली चक्रवर्ती का अभियान बेहद जरूरी और समय की मांग है

मोउमोनी सेन गुप्ता
शिक्षिका, प्ले स्कूल भिलाई

"प्रधानमंत्री जी, हमें गालियों से आजादी चाहिए- सोनाली चक्रवर्ती "

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कृपया स्त्री विरोधी गालियों के लिए कड़े कानून के प्रावधान लाएं एवं ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए शीघ्र सेंसर बोर्ड का निर्माण हो। यह पत्र लिखा है आज 80 वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने जो पिछले ढाई वर्षो से अधिक से गालियों के खिलाफ अभियान चला रही है एक युद्ध अभद्र भाषा के विरुद्ध। सोनाली चक्रवर्ती ने इस पत्र में लिखा है कि जिस दिन का डर था आखिर वह दिन जंतर मंतर पर आ ही गया। ओटीटी की वजह से बच्चों के लिए गालियां इतनी नव सामान्य हो गई कि उन्होंने इसे रोजमर्रा की बोलचाल की भाषा में शामिल कर लिया और उन्हें पता तक नहीं चला।अब वह देश, समाज, बुजुर्ग व संवैधानिक पदों का अपमान करने से भी नहीं चूक रहे। जब तक सार्वजनिक महिलाओं का अपमान करने वाली अश्लील गालियों पर सजा का प्रावधान नहीं आएगा यह समस्या हल नहीं होगी

आज भिलाई की स्वयंसिद्धा संगठन की सभी महिलाओं के साथ उन्होंने यह पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय को प्रेषित किया।इस पत्र के साथ उन्होंने ढाई वर्षो के अभियान की रिपोर्ट भी प्रेषित की है। उल्लेखनीय है कि सोनाली चक्रवर्ती स्कूलों में जाकर आज तक 10000 से अधिक बच्चों और युवाओं से मिलकर सभ्य भाषा की निशुल्क कार्यशाला ले चुकी है। ज्ञातव्य हो कि ढाई साल पहले लिखे पत्र के जवाब में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म बंद किए गए थे जो कि अभद्र भाषा और अश्लील व हिंसक दृश्य दिखाते थे।

भिलाई लाल मैदान की जमीन पर पुलिस का दावा खारिज, अब विकास कार्यों को मिली हरी झंडी

तहसील की जांच में खुलासा—लाल मैदान नगर निगम भिलाई की जमीन, विधायक रिकेश के प्रयासों से दूर हुआ जमीन का विवाद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पावर हाउस स्थित लाल मैदान में पिछले करीब पांच दशकों से आयोजित हो रहे भव्य दुर्गोत्सव को लेकर बड़ी राहत की खबर सामने आई है। तहसील स्तर पर हुई संयुक्त स्थल जांच में लाल मैदान की जमीन नगर पालिक निगम भिलाई के अधीन होना सामने आया है। इसके साथ ही पिछले करीब छह माह से जमीन के स्वामित्व को लेकर जारी विवाद और विकास कार्यों में लगी रोक का रास्ता साफ हो गया है।

आपको बता दें कि लाल मैदान में हर वर्ष दुर्गोत्सव के दौरान विशाल पूजा पंडाल लगाया जाता है, जहां प्रतिदिन हजारों–लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं और पूजा समिति की सुविधा को देखते हुए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के विशेष प्रयास से विशाल डोम शेड, हाईमास्ट लाइट और मैदान के सौंदर्यीकरण सहित कई विकास कार्य कराए जा रहे थे।

हालांकि करीब छह माह पूर्व छावनी थाना और दुर्ग पुलिस विभाग की ओर से लाल मैदान की जमीन को गृह विभाग/थाना के लिए आबंटित भूमि बताते हुए निर्माण एवं विकास कार्यों को रोक दिया गया था। इसके बाद जमीन के वास्तविक स्वामित्व और अधिकार क्षेत्र को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं थी।

विधायक रिकेश सेन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विधानसभा में भी जमीन के संबंध में प्रश्न उठाया और जिला प्रशासन एवं राज्य शासन से जमीन का सीमांकन कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। इसके बाद राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने संबंधित दस्तावेजों, नजरी नक्शे और मौके की स्थिति का परीक्षण किया।

11 अगस्त 2026 को प्रस्तुत संयुक्त स्थल जांच प्रतिवेदन में लाल मैदान की भूमि को नगर पालिक निगम भिलाई की भूमि बताया गया है। जांच रिपोर्ट में थाना छावनी को आबंटित भूमि और लाल मैदान की वास्तविक भूमि की स्थिति का भी उल्लेख किया गया है। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद लाल मैदान पर पुलिस प्रशासन के स्वामित्व संबंधी दावे पर विराम लग गया है और यहां प्रस्तावित विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है।

दुर्गोत्सव समिति और नागरिकों में खुशी

लाल मैदान को लेकर स्थिति स्पष्ट होने की खबर मिलते ही क्षेत्र के नागरिकों और दुर्गोत्सव समिति में खुशी की लहर है। समिति से जुड़े लोगों का कहना है कि दशकों से यहां होने वाले दुर्गोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में डोम शेड, हाईमास्ट लाइट और सौंदर्यीकरण जैसे कार्य श्रद्धालुओं की सुविधा और आयोजन की भव्यता के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे।

लाल मैदान की जमीन को लेकर छह माह से चल रही उहापोह के बाद अब राजस्व जांच ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। इससे न केवल दुर्गोत्सव की तैयारियों को गति मिलने की उम्मीद है, बल्कि श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए प्रस्तावित विकास कार्य भी आगे बढ़ सकेंगे।

मंदिर हसौद पुलिस की कार्रवाई : स्टंट करने वाले 3 दर्जन से अधिक वाहन चालकों पर जुमार्ना

59 वाहनों का ई–चालान, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर भी सख्ती

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2026 को थाना मंदिर हसौद पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सेंध लेक और बिल्डिंग के पास चेकिंग प्वाइंट लगाया गया था। पुलिस ने चेकिंग के दौरान मुख्य रूप से दोपहिया वाहनों को निशाना बनाया। तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाने वाले चालक, स्टंट कर स्वयं और दूसरों के जीवन को खतरे में डालने वाले चालक , नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना, नो–पार्किंग में वाहन खड़ा करना आदि है।

इन नियमों का उल्लंघन करने वाले तीन दर्जन से अधिक दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। इसके साथ ही सेंध लेक के पास नो–पार्किंग में खड़ी 59 वाहनों का ई–चालान भी किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, दोपहिया चलाते समय हेलमेट अनिवार्य रूप से लगाने और निर्धारित संख्या से अधिक सवारी न बैठाने की समझाइश दी। नाबालिग बच्चों द्वारा वाहन चलाने पर उनके पालकों को भी बुलाकर हिदायत दी गई कि भविष्य में नाबालिगों को वाहन न चलाने दें।

भिलाई में चन्द्रा मौर्य अंडरब्रिज छोटे वाहनों के लिए खुला

भिलाई। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2026 के अवसर पर आम नागरिकों की सुविधा के लिए चन्द्रा मौर्य रोड अंडरब्रिज क्रमांक-358 RUB, वार्ड क्रमांक-30 को छोटे वाहनों के आवागमन हेतु खोल दिया गया है। महापौर नीरज पाल, मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा एवं जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता की उपस्थिति में शुक्रवार को अंडरब्रिज का शुभारंभ किया गया। नगर निगम के अनुसार उक्त अंडरब्रिज में केवल 2 .55 मीटर से कम ऊंचाई वाले छोटे वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। भारी वाहनों के प्रवेश से अंडरब्रिज को क्षति और दुर्घटना की संभावना को देखते हुए वाहन चालकों से निर्धारित प्रतिबंध का पालन करने और आवश्यकतानुसार वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की अपील की गई है। अंडरब्रिज में अधिकतम गति सीमा 20 किमी/घंटा निर्धारित की गई है। प्रशासन ने आम नागरिकों एवं वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने में सहयोग की अपेक्षा की है।

सीएनजी टैंकर से गैस रिसाव, एक घंटे में पुलिस ने बहाल किया यातायात

डी–मार्ट के सामने हुआ हादसा, फायर ब्रिगेड की मदद से टैंकर सुरक्षित किया गया

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राजनांदगांव बाईपास स्थित डी–मार्ट के सामने शुक्रवार रात एक सीएनजी टैंकर से गैस रिसाव की सूचना पर दुर्ग पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर संभावित बड़े हादसे को टाल दिया। पुलिस की सूझबूझ और फायर ब्रिगेड के सहयोग से करीब एक घंटे के भीतर यातायात सामान्य कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार कल रात्रि लगभग 9 बजे अनुराग कूरियर कंपनी के वाहन क्रमांक CG 10 CD 2598 में रखे सीएनजी टैंकर से गैस लीक होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री विजय अग्रवाल ने सभी थाना और यातायात पुलिस टीमों को तत्काल सक्रिय किया। नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नेहरू नगर गुरुद्वारा तिराहा से यातायात डायवर्ट किया गया। टैंकर के चारों ओर सुरक्षा घेरा बनाकर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया। साथ ही फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाकर आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए।

पुलिस एवं संबंधित टीमों की त्वरित कार्रवाई से टैंकर को सुरक्षित रूप से सड़क किनारे हटाया गया। इसके बाद महज एक घंटे के भीतर मार्ग पर आवागमन पुनः शुरू कर दिया गया। दुर्ग पुलिस ने बताया कि इस आपात स्थिति के दौरान आम नागरिकों, ट्रक चालकों और अन्य वाहन चालकों ने संयम और समझदारी दिखाते हुए पुलिस के निर्देशों का पालन किया और सुरक्षा उपायों में पूर्ण सहयोग किया।

दुर्ग पुलिस ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी तत्परता के चलते एक बड़ा हादसा टल सका।

आकाशगंगा में चाय–पान ठेले में लगी आग, शॉर्ट सर्किट बना कारण

भिलाई। भिलाई के आकाशगंगा स्थित उत्तर गंगोत्री क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक चाय–पान ठेले में आग लग गई। घटना सुबह करीब 8 बजे की है। जानकारी के अनुसार आर्य नगर निवासी मनहरण की टी स्मोकर चाय दुकान सह पान ठेले में शॉर्ट सर्किट की वजह से अचानक आग भड़क उठी। आग लगते ही आसपास हड़कंप मच गया।

स्थानीय लोगों ने तुरंत पानी मारकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सूचना पर बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बिजली सप्लाई बंद करवाई। पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी घटनास्थल पर मौजूद रहे। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आग से दुकान में रखा सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

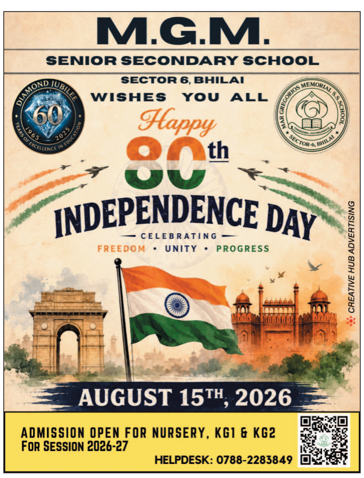

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100